आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, सोमवार 30 मार्च 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 130

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

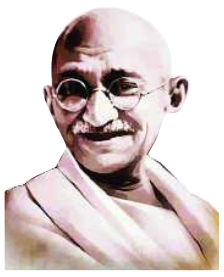

राष्ट्रपिता को नमन...

अक्षय की बात अपनो के साथ

इंदौर में एक श्वान ने खास पार्षद महोदय को स्पर्श किया, सबने समझा काट लिया। पार्षद महोदय भी उपचार खातिर सरकारी अस्पताल पहुंचे और उन्हें रेबिज इंजेक्शन भी लगाया गया। गनीमत थी कि

रेबीज इंजेक्शन भी मिल गया, डाक्टर भी। अन्यथा ये भी आफत आम आदमी साथ कि श्वान काटे तो आप कैसे मुंह चेहरे का बचाव करें, गेंद समान बन जाए नगर निगम ने उपाय बताए, अब श्वान ने ऐसा हमला तो नहीं किया था। अत: और पार्षद जी भी सजग।

खैर खबर बनी और फिर क्या शहर के सारे अवारा श्वान ने तय किया, बैठक आहूत हो गुस्ताखी करने वाले श्वान को लताड़ लगाई जाए।

बैठक हुई कालू, मोती, सांगा ने सवाल उठाया कि क्यों बिरादरी पर संकट ला रहे हो।

अरे हम सुंघ कर जान लेते हैं कि नेता हैं अधिकारी हैं, तो ऐसे लोगों से बचना चाहिए ये हमारे पालक है।

देखो उच्चतम न्यायालय ने आदेश दिया पिंजरा पोल बना क्या?

आवारागर्दी करते हैं हम तो जबाब नसबंदी मुहिम चल रही।

कैसी चल रही पता है ना?

देखो रामकली को इस बार फिर आठ बच्चे दिए।

समझा करो सब।

सब कागजों पर हमारे हित में और तुमने पार्षद को काट लिया।

मोती बोला तमतमा कर एक बार महेश नगर में विधायक के भतीजे को काट लिया था, शेरू ने सब पर संकट आ खड़ा हुआ था। कैसे मामला शांत किया।

सफाई दो...

कि क्या हुआ था, क्यों हुआ?

अब सफाई दी गई कि मैंने काटा नहीं, लाड़ दिखाया था। पता नहीं था कि पार्षद महोदय है मैं समझ नहीं पाया, गलती हुई, आंईदा किसी भी नेता बिरादरी एवं अधिकारियों की मंडली को लाड दुलार नहीं बताऊंगा।

मुझे नहीं पता था कि पार्षद पांव है।

अन्यथा रंज धारण करता,मामा शेरू की सीख अमल लाता,क्षमा प्रार्थी हूं।

बैठक समाप्त इस ताकिद के साथ की तीन-चार दिन ईमली चौराहे, पालदा, चितावद आदि क्षेत्रों में सब लुकाछिपी करके रहें सतर्क रहें।

और ये 7 दिन तक अब चुप्पी साधे हुए रहेगा।

खास खबर पढ़ी जाती है कि अधिकारियों एवं नेताओं को हम अपना हितबधं समझें खैर ख्वाह रहबर मददगार समझें। धन्यवाद।

और मीटिंग खत्म हो गई है। मटन हड्डी की दावत दे।

कल अचानक घोषणा की मांस चिकन आदि की दुकानें बंद रहेगी इसलिए हमारे पास दावत खातिर अन्यथा फेंकी जाती,चलै सब, भौं भौं भौं...

अमेरिका का ईरान पर क्या बड़ा प्लान ?

नई दिल्ली (एजेंसी) ● पश्चिम एशिया में जंग की आग अभी थमी नहीं है। एक तरफ ईरान पर अमेरिका-इजरायल के हवाई हमले जारी हैं, दूसरी तरफ अब जमीनी लड़ाई की भी तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसी बीच एक बेहद अहम बैठक हुई है जो आने वाले दिनों में इस जंग की दिशा तय कर सकती है।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड यानी सेंटकाम के प्रमुख एडमिरल ब्रैड कूपर इजरायल पहुंचे और वहां इजराइली सेना यानी आईडीएफ के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल एयाल जमीर से मुलाकात की। सूत्रों के मुताबिक बैठक में मुख्य रूप से दो मुद्दों पर बात हुई। पहला, मिडिल ईस्ट में जारी जंग की मौजूदा स्थिति और आगे की रणनीति। दूसरा, ईरान की हथियार बनाने की क्षमता को कैसे रोका जाए। दरअसल अमेरिका और इजरायल दोनों यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि ईरान भविष्य में फिर से मिसाइल और हथियार बनाने की स्थिति में न हो।

यह बैठक ऐसे वक्त हुई है जब अमेरिकी रक्षा विभाग यानी पेंटागन ईरान में कई हफ्तों तक चलने वाले जमीनी ऑपरेशन की योजना तैयार कर रहा है। वाशिंगटन पोस्ट ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया है कि यह तैयारी इसलिए की जा रही है क्योंकि अगर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प जंग को और तेज करने का फैसला करते हैं तो अमेरिकी सेना तुरंत एक लंबे और टिकाऊ जमीनी अभियान के लिए तैयार हो।

अभी तक यह जंग ज्यादातर हवाई हमलों तक सीमित रही है। 28 फरवरी को शुरू हुए ऑपरेशन में 900 से ज्यादा हमले हो चुके हैं और ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई समेत दर्जनों बड़े अधिकारी मारे जा चुके हैं। लेकिन अब जमीनी हमले की बात होना यह साफ करता है कि यह जंग एक नए और खतरनाक मोड़ पर आ सकती है। फिलहाल यह तय नहीं है कि ट्रम्प जमीनी हमले का आदेश देंगे या नहीं। लेकिन इस बैठक और पेंटागन की तैयारियों से यह साफ है कि अमेरिका हर परिस्थिति के लिए खुद को तैयार रख रहा है। दुनियाभर की नजरें अब इस पर टिकी हैं कि आने वाले दिनों में यह जंग हवा से जमीन पर उतरती है या कोई राजनयिक रास्ता निकलता है।

इंदौर की फर्म पर सीबीआई का केस

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● रेलवे कोच जनरल स्टोर डिपो में सप्लाई किए गए करीब 59 लाख 68 हजार रुपए के साढ़े तीन हजार से ज्यादा के गोल्ड प्लेटेड सिल्वर मेडल नकली पाए गए है। इस मामले में सीबीआई भोपाल ने इंदौर की फर्म मेसर्स वायबल डायमंड्स और रेलवे के अज्ञात अधिकारियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। रेलवे ने गोल्ड मैडल की खरीदी के लिए 2023 में इंदौर की फर्म वायबल डायमंड्स से अनुबंध किया था। फर्म की धोखाधड़ी के बाद रेलवे ने शिकायत की थी जिसकी जांच सीबीआई को सौंपी गई थी।

सीबीआई में दर्ज की गई एफआईआर के अनुसार वेस्ट सेंट्रल रेलवे जबलपुर ने मेसर्स वायबल डायमंड्स के डायरेक्टर विपुल जैन से सोने की परत चढ़े चांदी के पदकों की आपूर्ति को लेकर एक अनुबंध किया था। यह समझौता 23 जनवरी 2023 को हुआ था। जिसमें इंदौर की फर्म को 3640 गोल्ड प्लेटेड मेडल सप्लाई करना थे। इन मेडल्स का मूल्य 49 लाख 68 हजार 627 रुपए था। रेलवे को चांदी के मेडल के नाम पर तांबे के मेडल दिए गए, जिन पर सोने की परत चढ़ाई गई थी। यह घोटाला तब सामने आया जब पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर मंडल ने सिक्कों की विजिलेंस जांच कराई।

गोल्ड प्लेटेड के नाम पर थमाए तांबे के मैडल

इंदौर की फर्म वायबल डायमंड्स और उनके मालिक विपुल जैन ने रेलवे को 3600 से अधिक नकली मेडल सप्लाई कर लाखों रुपए का चूना लगाया। इनमें चांदी की मात्रा मात्र 0.23% पाई गई। और शेष हिस्सा तांबे का था। इस धोखाधड़ी के बाद रेलवे ने 20 साल पुरानी मेडल देने की परंपरा ही बंद कर दी है। रिटायर्ड कर्मचारियों के सम्मान और भरोसे से जुड़े मामले में धोखाधड़ी करने वाली फर्म को ब्लैक लिस्टेड किया गया है।

सामग्री का निरीक्षण और परीक्षण

सामग्री का निरीक्षण अनुज कुमार वर्मा, निरीक्षण अभियंता द्वारा 18.09.2023 और 03.10.2023 को किया गया था। पदकों में 99.90% चांदी की शुद्धता पाई गई थी। 3631 पदक भोपाल में जनरल स्टोर डिपो में प्राप्त किए गए थे। सतर्कता अधिकारियों के निरीक्षण के बाद नए नमूने नोएडा और कोलकाता की लैब में भेजे गए थे। मामले की जांच एंटी करप्शन विंग भोपाल के एएसपी आकाश कुमार मीना को सौंपी गई है।

फालोअप : बच्चों से छिपाई सच्चाई

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● लसूड़िया स्थित सागर समृद्धि अपार्टमेंट में हुई घटना ने एक हंसते-खेलते परिवार को पल भर में उजाड़ दिया। इस घटना का सबसे दर्दनाक पहलू वे मासूम बच्चे हैं, जिन्हें दो दिन तक यह तक नहीं बताया गया कि उनकी मां अब इस दुनिया में नहीं रही। पति सौरभ पांडे ने बताया कि घटना के बाद जब बड़े बेटे का खाना खाने के लिए फोन आया तो उन्होंने कहा 'मम्मा की तबीयत ठीक नहीं है, दो दिन में आ जाएंगी।' इस पर बेटे ने मासूमियत से जवाब दिया 'मम्मा आ जाएंगी तब ही खाना खाऊंगा...'। 'दो दिन बाद जब मां की बॉडी घर पहुंची, तब बच्चों को सच्चाई बताई गई। यह सुनते ही दोनों बच्चे बिलख पड़े। छोटा बेटा अब भी समझ नहीं पा रहा है कि उसकी मां हमेशा के लिए उसे छोड़कर चली गई है।

मां का जन्मदिन पर 'अच्छा काम' करना चाहती थी शंपा

सौरभ ने बताया कि जिस दिन यह हादसा हुआ, उसी दिन उन्होंने डीबी प्राइड में नया फ्लैट बुक किया था। संयोग से उस दिन शंपा की मां का जन्मदिन भी था और इसी वजह से वे नया घर लेने को एक अच्छा कदम मान रहे थे। लेकिन उसी दिन हुई घटना ने उनकी पूरी जिंदगी बदल दी।

जिस घर में पूजा की, वहीं से उठी अंतिम विदाई

नवंबर में पूरे परिवार ने इस फ्लैट में पूजा की थी। उसी घर से अब शंपा की अंतिम यात्रा निकली। सौरभ कहते हैं 'ऐसा लगा जैसे हमारे परिवार में बम फट गया हो... एक मिनट में सब खत्म हो गया।' सौरभ ने बताया कि तीन महीने पहले ही शंपा की मां का ब्रेन हेमरेज से निधन हुआ था। परिवार उस सदमे से उबर भी नहीं पाया था कि अब यह हादसा हो गया।

रंगपंचमी के आसपास खुला राज, बदला फैसला

सौरभ के मुताबिक, सागर समृद्धि अपार्टमेंट में शिफ्ट होने के बाद उन्हें सोसाइटी के व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा गया। यहीं से उन्हें पता चला कि बिल्डिंग में AIRBNB के जरिए कुछ संदिग्ध गतिविधियों को लेकर विवाद चल रहे हैं। रंगपंचमी के आसपास हमें इसकी जानकारी मिली। इसके बाद हमने तय किया कि फ्लैट बेच देंगे या किराए पर दे देंगे। 'हालांकि, शुरुआत में उन्होंने सोचा कि हालात सामान्य हो जाएंगे और वे वहीं रहने लगे। लेकिन एक सप्ताह पहले आरोपी पिता कुलदीप और बेटे मोहनीश से जुड़े विवाद के बाद उनका मन पूरी तरह बदल गया। इसके बाद हमने तुरंत दूसरा फ्लैट देखना शुरू कर दिया। ऑनलाइन एड भी डाल दिया था।

इंदौर आए तो विवादों ने बदल दिया सबकुछ

सौरभ ने कहा कि उनकी शादी 2013 में हुई थी। उस समय वे इंफोसिस में काम कर रहे थे, जबकि शंपा टीसीएस में थीं। शादी के करीब एक साल बाद शंपा भी इंफोसिस में आ गईं और दोनों का करियर साथ-साथ आगे बढ़ने लगा। शुरुआत में शंपा की पोस्टिंग मुंबई में थी, जबकि सौरभ बेंगलुरु में थे। बाद में दोनों एक ही शहर में साथ जॉब करने लगे। 2017 में जब इंदौर में इंफोसिस की शुरुआत हुई, तब उन्होंने यहां आने की कोशिश की, लेकिन कोरोना के कारण प्लान टल गया। आखिरकार 2023 में वे इंदौर शिफ्ट हो गए और स्कीम नंबर-114 में दोनों बच्चों के साथ रह रहे थे।

दिग्विजय और पं. शुक्ला में गपशप

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह रविवार को इंदौर दौरे पर थे। वह एयरपोर्ट से सीधे पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा के घर

गए। उनकी पत्नी के निधन पर शोक व्यक्त किया। सिंह, वर्मा के साथ कुर्सी पर बैठकर चर्चा कर रहे थे। पास में वरिष्ठ नेता पंडित कृपाशंकर शुक्ला और पूर्व शहराध्यक्ष सुरजीत सिंह चड्ढा भी बैठे थे। इसी दौरान पंडित शुक्ला ने सिंह से पूछा कि आप अयोध्या गए थे, तो कैसा लगा। इस पर सिंह ने हाथ ऊपर करते हुए कहा आनंद। फिर कहा कि जहां चंदा दिया, वहां नहीं जाएंगे क्या। युवराज ने 1 लाख दिए, मैंने एक लाख 11 हजार का चंदा दिया।

अयोध्या दर्शन पर बीजेपी के तंज पर ये बोले-सिंह के अयोध्या जाने पर इंदौर में महापौर पुष्यमित्र भार्गव और नगराध्य सुमित मिश्रा ने दो दिन पहले तंज कसा था। दोनों ने कहा था कि अच्छा है उन्हें समय पर सद्बुद्धि आ गई। प्रभु राम के चरणों में जो जाता है उसे भगवान का आशीर्वाद मिलता है। उम्मीद है वह मथुरा में श्री कृष्ण के भव्य मंदिर पर जल्द आएंगे और हमारे साथ खड़े होंगे। इस तंज पर जब सिंह से मीडिया ने सवाल किया तो वह बोले- वह विवादित बात करें तो करें, यह उनका अधिकार है।

केंद्र की मोदी सरकार को ऐसे घेरा-सिंह ने कहा कि आज देश में हालात बिगड़ गए हैं। एक समय पंडित नेहरूजी की पूरा विश्व इज्जत करता था। इंदिराजी की लीडरशिप थी, वह किसी गुट में नहीं थी। लेकिन अभी तो ये कभी चीन के साथ, कभी अमेरिका के साथ और इजरायल से तो बिल्कुल हुक्म से चलते हैं।

सीएम ने भी घर जाकर शोक जताया-इसके पहले दिन में

मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री मोहन यादव ने वर्मा के निवास पहुंचकर उनकी पत्नी के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं तथा दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट, विधायक रमेश मेंदोला, मधु वर्मा, गोलू शुक्ला, भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा, हरी नारायण यादव सहित भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

संस्कार की कमी, बेटियों को नर्क में ढकेलेगी - उषा ठाकुर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देशभर में यूं तो लव जिहाद के मामले लगातार सामने आ रहे खास करके कॉलेज की युवतिया को भी शिकार बनाया जा रहा तो वहीं महिलाए भी इसका शिकार हो रही है। साथ ही जाल में फंसाकर फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी देकर, धर्म परिवर्तन का दबाव भी जमकर बनाया जाता है। कई युवतियां हिम्मत करके

पुलिस तक पहुंच जाती है तो कई बदमानी के दर से शिकायत नहीं करते हुए जल सेहती रहती है। बात करे इंदौर की तो इंदौर में भी मामले ऐसे लगातार सामने आ रहे हैं। इसी मुद्दे को लेकर विधायक उषा ठाकुर ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि संस्कारों की कमी और बेटियों की ना समझी का नतीजा है जो उन्हें नर्क में धकेल रही है।

अंदर के पन्नों पर...

फर्नीचर की 2 दुकानों में लगी भीषण आग

पेज-2

मप्र में विधायकों के वेतन-भत्ते बढ़ाने पर ब्रेक

पेज-6

राजा हत्याकांड के बाद परिवार में जन्मा बेटा, मां बोली हमारा बेटा वापस आया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या का मामला देशभर में चर्चित रहा। अब उसी परिवार में एक ऐसी खुशी लौटी है, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। घर में गूंजी एक किलकारी ने कुछ देर के लिए गम को पीछे छोड़ दिया। परिवार के लोग भावुक होकर कह रहे हैं- हमारा राजा वापस लौट आया। रविवार को रघुवंशी परिवार में एक बेटे का जन्म हुआ है, जिससे घर में फिर से रौनक लौट आई। नवजात को परिवार के सदस्य 'राजा' नाम से ही पुकार रहे हैं। यह खुशखबरी राजा रघुवंशी के बड़े भाई सचिन रघुवंशी के घर आई है। पिछले 8-9 महीनों से बेटे की हत्या के दुख में डूबा परिवार अब इस नई खुशी से मुस्कुराता नजर आया।

हमारा राजा लौट आया

राजा रघुवंशी के भाई विपिन रघुवंशी ने बताया कि हत्या के बाद जब तेहरवी हुई थी, तब कामाख्या मंदिर के पुजारी ने कहा था कि भाइयों में से किसी के घर राजा दोबारा जन्म लेगा। उनका कहना था कि राजा की मृत्यु स्वाभाविक नहीं, बल्कि हत्या हुई है, इसलिए वह किसी न किसी रूप में वापस आ सकता है।

विपिन ने बताया कि परिवार में कुल नौ भाई हैं, लेकिन यह सुख उनके भाई सचिन के घर ही आया। वे मानते हैं कि पुजारी की बात सच साबित हुई है। उन्होंने कहा कि उनकी भाभी पहले भी राजा का बहुत ख्याल रखती थीं और उसे अपने बेटे की तरह मानती थीं। अब वही भाभी उसके बेटे के रूप में 'राजा' को जन्म देकर उसे फिर से परिवार के बीच ले आई हैं।

ग्यारस के दिन हुआ जन्म

विपिन ने बताया कि जिस दिन उनके भाई राजा रघुवंशी की हत्या हुई थी, उस दिन भी ग्यारस थी और आज भी ग्यारस का ही दिन है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, राजा की मृत्यु दोपहर 2:40 बजे हुई थी, जबकि आज जन्मा बच्चा भी दोपहर 2:42 बजे पैदा हुआ। लगभग एक ही समय होने को परिवार एक विशेष संयोग मान रहा है। उनका कहना है कि जिस समय राजा उनसे बिछड़ा था, लगभग उसी समय वह फिर से उनके बीच लौट आया है।

विपिन ने आगे बताया कि परिवार ने नवजात का नाम भी 'राजा' ही रखा है। उन्होंने कहा कि उनकी भाभी पहले राजा का बहुत ख्याल रखती थीं और उसे अपने बच्चे की तरह मानती थीं। इसी वजह से बच्चे का नाम बिना कुंडली के ही 'राजा' रखा गया है, जैसे पहले उनके भाई का रखा गया था।

परिवार में लौटी खुशियां

राजा की मां उमा रघुवंशी ने कहा कि उनके परिवार में फिर से खुशियां लौट आई हैं। उन्होंने बताया कि जिस दिन राजा उन्हें छोड़कर गया था, वह ग्यारस का दिन और दोपहर का समय था। आज भी ग्यारस है और दोपहर में ही यह बच्चा जन्मा है, जिसे वे अपने बेटे की वापसी मान रही हैं। उन्होंने इसे भोलेनाथ की कृपा बताते हुए कहा कि जो कुछ हुआ, वह भगवान की मर्जी से हुआ है। उनके शब्दों में, 'मेरा बेटा फिर से हमारे बीच लौट आया है। उमा रघुवंशी ने बताया कि हमने बच्चे का नाम भी 'राजा' ही रखा है। जब उसे 'राजा' कहकर पुकारते हैं, तो वह ऐसे देखता है जैसे पहले से पहचानता हो। लंबे समय बाद परिवार में खुशियां लौटी हैं। राजा की हत्या के बाद से सभी गम में डूबे थे, लेकिन अब इस जन्म ने घर का माहौल बदल दिया है और हर ओर खुशी नजर आ रही है।

फास्ट ट्रैक में केस चले

परिवार ने कोर्ट से अपील की है कि मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में की जाए, ताकि जल्द न्याय मिल सके। उनका कहना है कि इससे सोनम और अन्य आरोपियों को जल्दी सजा मिल पाएगी।

पूरे घटनाक्रम की टाइमलाइन

11 मई 2025 को राजा रघुवंशी और सोनम रघुवंशी की शादी हुई थी। 20 मई को दोनों हनीमून के लिए मेघालय गए। 24 मई को परिवार से उनका संपर्क टूट गया, जिसके बाद मामला शुरू हुआ। परिवार को उनकी गाड़ी की जानकारी मिलने पर खाई में तलाश शुरू की गई। काफी मशक्कत के बाद 2 जून को राजा का शव गहरी खाई में मिला, जिसे 4 जून को इंदौर लाया गया।

न्यूज ब्रीफ

मप्र सीनियर महिला हैंडबॉल टीम घोषित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के तत्वाधान मे उत्तर प्रदेश हैंडबॉल एसोसिएशन द्वारा 54 वी राष्ट्रीय सिनीयर महिला हैंडबॉल प्रतियोगिता बरेली उ प्र मे 30 मार्च से 03 अप्रेल 2026 आयोजित की जा रही है। मध्यप्रदेश हैंडबॉल संघ की टीम की घोषणा अध्यक्ष दीपक जैन टीनू व महासचिव हरदीप सिंह रुपल ने की ।

टीम इस प्रकार है:-1.दिशा देवी(कप्तान) 2.दीपांजलि, 3.शिवानी मेहरा 4.अभिलाशा सिंह 5.श्रृष्टि सिंह 6.रितू कुशराम 7.भूमि सोनी 8.काजल मिश्रा 9.पलक पवार 10.धापू दया 11.मोनिका 12.ख़ुशी कुमारी 13.शिवरानी यादव 14.अस्मिता पाण्डेय 15.संगीता उइके 16.आरूणी बघेरी 17.मोनिका ठाकुर 18. महिमा कोच दुर्गा तिवारी मेनेजर कल्पना मालवीय टीम को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कोषाध्यक्ष कुलवंत सिंह, उपाध्यक्ष अमित त्रिपाठी, अशोक चौहान, निर्मल सेठी, गुरमीत सिंह संधू, इन्द्रजीत सिंह गिल, निरज सिंह पवार, सोमप्रताप सिंह, मधु करोले, दीपेश पवार, राहुल चित्रे, राजू शर्मा आदि ने शुभकामनाएं दी

लाभमंडपम में 'नादब्रह्म' की सुरमयी महफ़िल, 'गोल्डन बीट्स' ने बाँधा समां

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● रेसकोर्स रोड स्थित लाभमंडपम सभागार में रविवार को आयोजित संगीतमय कार्यक्रम 'नादब्रह्म – सरगंगी स्वर लहरियां (भाग 12)' ने इंदौर के संगीत प्रेमियों को एक अविस्मरणीय अनुभव प्रदान किया। 'गोल्डन बीट्स' थीम पर आधारित इस संगीतमय शाम ने सभागार को सुरों और तालियों की गूंज से भर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रार्थना गीतों से हुआ, जिनमें हर हर शम्भो, देवा श्रीगणेशा, मंगल भवन अमंगल हारी और हम कथा सुनाते राम जैसी भक्ति रचनाओं ने वातावरण को आध्यात्मिक बना दिया। इसके बाद एक से बढ़कर एक मुख्य प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मंत्राक्ष ध्यान शिविर : साधकों को मिले आत्मिक शांति और समृद्धि के बीजाक्षर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● नरसिंह वाटिका में तीन दिवसीय मंत्राक्ष ध्यान शिविर का रविवार को परम पूज्य मुनि श्री 108 आदित्य सागर जी महाराज के सानिध्य में भावपूर्ण समापन हुआ। इस शिविर में हर उम्र और हर वर्ग के साधकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और आत्मिक साधना की गहन यात्रा का अनुभव किया। शिविर के अंतिम दिन मुनि श्री ने साधकों को धन एवं समृद्ध जीवन के लिए आवश्यक अमूल्य बीजाक्षर प्रदान किए। साधक इस दिव्य अवसर से प्रसन्न तो थे, किंतु शिविर के समापन पर भावुक भी हो उठे। संध्या के समय सामूहिक भजन संध्या ने वातावरण को और अधिक आध्यात्मिक बना दिया। मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज ने एक साधक के जवाब में सूत्र दिया वह था – 'मंत्राक्ष के माध्यम से हम जीवन को शांतिमय, स्थिर, स्वस्थ एवं समृद्ध बना सकते हैं। जीवन के हमारे लक्ष्य को साधने में भी यह उपयोगी है।'

फर्नीचर की 2 दुकानों में लगी भीषण आग

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● एबी रोड रीजनल पार्क पर फर्नीचर दो दुकान में लगी हुई भीषण आग गई। घटना की जानकारी के बाद स्थानीय पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची। 27000 लीटर पानी की मदद से दमकल की टीम ने आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि संजय और विजय नामक दोनों भाइयों की दुकान है। आग लगने का कारण अभी फिलहाल अज्ञात बताया जा रहा है। दोनों दुकानों में रखा फर्नीचर पूरी तरह जलकर खाक हो गया।

प्रदेश का दूसरा सबसे बड़ा तालाब सूखने की कगार पर

किसानों के लिए चिंता का विषय 4 से 5 फिट रह गया तालाब में पानी

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

देपालपुर के बनेडिया तालाब का जलस्तर लगातार घट रहा है। प्रदेश का दूसरा नंबर कहलाने वाला यह तालाब अब केवल 4 से 5 फीट पानी तक सीमित रह गया है। पिछले वर्ष नवंबर में जब रबी सीजन के लिए नहरों में पानी छोड़ा गया था, तब तालाब में लगभग 11 फीट पानी भरा हुआ था और किसानों ने 9 नवंबर से सिंचाई शुरू कर दी थी। उस समय सिंचाई विभाग ने तालाब से मीटरों के दायरे में पानी उपलब्ध कराया था। वर्तमान हालात में तालाब का जलस्तर घटकर लगभग 5 फीट रह गया है, जिससे गेहूं जैसी रबी फसलों की सिंचाई प्रभावित हो रही है।

तालाब के किनारों पर अब खरबूजे की खेती भी शुरू हो गई है। किसान बताते हैं कि जैसे-जैसे तालाब सूखता जा रहा है, वैसे-वैसे वे अपने हिस्से में खरबूजे की फसल लगा रहे हैं। वहीं पानी के अंदर से हरी-हरी घास भी निकलने लगी है, जो राहगीरों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गई है और यह संकेत है कि तालाब धीरे-धीरे खाली हो रहा है।

बनेडिया तालाब प्रदेश का सबसे बड़ा दूसरा तालाब है जहां देखा जाए तो 700 गोताखोर एक साथ तालाब में उतारकर काम कर सकते हैं दूसरी सबसे बड़ी बात इस तालाब के पानी से देपालपुर नगर की पेयजल व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित होती है, लेकिन मार्च महीने में ही तालाब सूखने की कगार पर आ गया। किसानों के लिए चिंता का विषय है, क्योंकि तालाब से अनेक गांवों के किसान सिंचाई के लिए के लिए पानी लेते हैं इसकी रकम भी विभाग को चुकाते हैं। अब सवाल यह है कि आने वाले दिनों में रबी फसलों की सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध होगा या नहीं।

अवैध शराब का परिवहन करते कार चालक को पुलिस थाना लसुडिया ने किया गिरफ्तार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर पुलिस कमीशनर श्री संतोष सिंह द्वारा अवैध रुप से मादक पदार्थ/शराब परिवहन के प्रकरणो में कठोर कार्यवाही करने हेतु इन्दौर कमीशनरेट पुलिस को निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देशो के तारतम्य मे अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित सिंह व अति. पुलिस आयुक्त/पुलिस उपायुक्त जोन-2 कुमार प्रतीक द्वारा अति. पुलिस उपायुक्त जोन -2 अमरेन्द्र सिंह एवं सहायक पुलिस आयुक्त विजयनगर पराग सैनी के नेतृत्व मे थाना लसुडिया द्वारा अवैध मादक पदार्थ/शराब के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उक्त निर्देशों के तारतम्य में पुलिस थाना लसुडिया द्वारा अवैध शराब का परिवहन करते कार चालक को 108 लीटर शराब के साथ गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।

इसी कड़ी में दिनांक 28/03/2026 को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति कार मे अवैध शराब लिए, किसी को देने के लिए कैलोद हाला तरफ गया है। मुखबिर की सूचना पर विश्वास कर हमराही फोर्स के साथ तत्काल कैलोद हाला पहुँचा जहा पर उक्त रंग एवं क्रमांक की कार दिखाई दी। जिसे हमराही फोर्स के साथ घेरा बंदी कर रोका तथा कार चालक से नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम शुभम पिता मेहरबान सिंह चौधरी उम्र 34 साल निवासी खाकरोड तह. सांवेर जिला इन्दौर का होना बताया। उक्त कार की विधिवत पंचांगो के समक्ष तलाशी लेने पर कार के अन्दर 08 पेटी सफेद देशी शराब के बॉक्स एवं 03 पेटी बियर केन के बॉक्स मिले। कार चालक से उक्त शराब को लाने व ले जाने के संबंध मे लायसेंस व परमिट के बारे मे पुछने नही होना बताया। जिस पर से अवैध शराब को जप्त कर थाने लाया गया तथा आरोपी के विरुद्ध सम्पूर्ण विधि सम्मत कार्यवाही कर धारा 34(2) म.प्र. आबकारी अधिनियम 1915 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। आरोपी से उक्त अवैध शराब के स्त्रोतो के संबंध मे भी कड़ाई से पूछताछ की जा रही है।

डीएवीवी का 'स्मार्ट कैंपस 'विज़न

हाईटेक क्लास रूम, ई-लाइब्रेरी और नए कोर्स से बदलेगी पढ़ाई की तस्वीर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देवी अहिल्या विश्वविद्यालय अब पारंपरिक शिक्षा मॉडल से आगे बढ़ते हुए 'स्मार्ट कैंपस' की दिशा में बड़ा कदम उठा रहा है। 2026-27 के बजट में यूनिवर्सिटी ने आधुनिक लेक्चर थिएटर विकसित करने की योजना बनाई है, जहां एक ही बिल्डिंग में कई स्मार्ट क्लास रूम संचालित होंगे।

कुलगुरु प्रो. राकेश सिंघई के अनुसार... इन नए लेक्चर थिएटर में डिजिटल टीचिंग सिस्टम, स्मार्ट स्क्रीन और 3डी प्रिंटर जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसका उद्देश्य छात्रों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित न रखकर प्रैक्टिकल और इंटरएक्टिव लर्निंग का अनुभव देना है। इससे पढ़ाई का तरीका पूरी तरह तकनीक आधारित और अधिक प्रभावी हो जाएगा। सिर्फ अकादमिक ही नहीं, प्रशासनिक ढांचे को भी मजबूत किया जा रहा है। आरएनटी मार्ग पर नया प्रशासनिक संकुल विकसित किया जाएगा, जहां विभिन्न विभागों को एक ही परिसर में शिफ्ट किया जाएगा। इससे छात्रों और स्टाफ को अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे, साथ ही ई-लाइब्रेरी और अतिरिक्त क्लास रूम की सुविधा भी विकसित की जाएगी।

नए कोर्स से बढ़ेगी आय और अवसर- खरगोन में

नया विवि-शुरू होने के बाद डीएवीवी की आय पर असर पड़ा है। ऐसे में यूनिवर्सिटी अब नए आय स्त्रोतों की तलाश में है। इसी दिशा में प्रोफेशनल और डिमांड आधारित कोर्स शुरू करने पर जोर दिया जा रहा है। फार्मेसी जैसे कोर्स शामिल किए जा रहे हैं और नए मेडिकल कॉलेज की स्थापना की दिशा में भी काम जारी है। यूनिवर्सिटी प्रशासन का मानना है कि नए कोर्स न केवल आय बढ़ाने में मदद करेंगे, बल्कि छात्रों को बेहतर कॅरियर विकल्प भी प्रदान करेंगे। कुल मिलाकर डीएवीवी का यह 'स्मार्ट कैंपस' मॉडल शिक्षा, तकनीक और प्रशासन- तीनों स्तरों पर बड़ा बदलाव लाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

भगवान महावीर अलंकरण से समाज जन सम्मानित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भगवान महावीर के सिद्धांतों की वैश्विक प्रासंगिकता को रेखांकित करने और सामाजिक एकता का संदेश देने के लिए इंदौर में एक ऐतिहासिक आयोजन दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन एवं श्वेताम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन की अगुवाई में आज रविवार को आयोजित किया गया। 'धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि महावीर अलंकरण समारोह' के माध्यम से पहली बार दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन और जैन श्वेतांबर सोशल ग्रुप्स फेडरेशन एक साझा मंच पर एक साथ आए और जैन समाज के विशिष्ट समाजसेवियों का सम्मान शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सम्मानित किया। सम्मानित समाज श्रेष्ठियो होने वाले में हंसराज जैन, संतोषकुमार जैन इंडोरामा, हंसमुख गांधी चंदनमल चोरड़िया शामिल रहे। इस अवसर पर सामाजिक संसद के सर्व मान्य अध्यक्ष आनंद गोधा, समाजसेवी अमित कासलीवाल, श्वेतांबर जैन सोशल ग्रुप के स्वप्निल कोठारी, राकेश विनायका, अग्निबाण के प्रधान संपादक राजेश चेलावत, समाजसेवी विजय मेहता एवं फेडरेशन की राष्ट्रीय शिरोमणि संरक्षिका श्रीमती पुष्पा कासलीवाल आदि मंचासीन रहे।

डॉ. निशांत खरे ने हरी झंडी दिखा मथुरा-वृंदावन यात्रा को किया रवाना

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● 1000 श्रद्धालुओं का आस्था संगम: मथुरा-वृंदावन यात्रा को हरी झंडी, जयकारों से गूंजा दिव्य शक्ति पीठ परिसर इंदौर। सनातन आस्था, भक्ति और सामाजिक समरसता के भाव से ओत-प्रोत एक भव्य आयोजन के तहत आज शनिवार 28 मार्च को लगभग 1000 महिला-पुरुष श्रद्धालुओं की मथुरा-वृंदावन यात्रा इंदौर के दिव्य शक्ति पीठ परिसर से उत्साह और श्रद्धा के वातावरण में रवाना हुई। यह यात्रा डॉ. निशांत खरे (प्रदेश उपाध्यक्ष, बीजेपी) के संरक्षण में सनातन आस्था फाउंडेशन द्वारा आयोजित की गई है। उल्लेखनीय है कि विगत 28 फरवरी को आयोजित 8 दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के सफल समापन के पश्चात हिंदू एकता और सनातन मूल्यों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से इस 4 दिवसीय तीर्थ यात्रा का आयोजन किया गया। कथा में शहर के संत-महात्माओं, जनप्रतिनिधियों और समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता रही थी। उसी आध्यात्मिक ऊर्जा को आगे बढ़ाते हुए यह यात्रा प्रारंभ की गई है। यात्रा को दिव्य शक्ति पीठ परिसर, रेडिसन चौराहे से डॉ. निशांत खरे, दिव्या गुप्ता एवं महामंडलेश्वर रामगोपाल दास महाराज द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। प्रस्थान से पूर्व सभी श्रद्धालुओं ने देवी शक्तिपीठ मंदिर में सामूहिक महाआरती में भाग लेकर मंगलमय यात्रा की कामना की।

'संगठन सुदृढ़ीकरण की दिशा में बड़ा कदम: ब्लॉक कांग्रेस 17 की पहली बैठक में माइक्रो मैनेजमेंट और वोटर लिस्ट सुधार पर गहन मंथन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर कांग्रेस कमेटी की नवीन कार्यकारिणी के गठन उपरांत आज ब्लॉक क्रमांक 17 में प्रथम बैठक का आयोजन गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष श्री रविकांत मिश्रा द्वारा की गई, जिसमें शहर कांग्रेस अध्यक्ष श्री चिंटू चौकसे जी शहर महामंत्री श्री अभिजीत शर्मा बिट्टू , जितेंद्र घोड़गावकर की विशेष उपस्थिति रही। बैठक में संगठन को जमीनी स्तर पर सशक्त एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से मोहल्ला समिति के गठन से लेकर माइक्रो मैनेजमेंट तक की विस्तृत रणनीति पर गंभीर मंथन किया गया। इस अवसर पर ब्लॉक, वार्ड एवं सेक्टर स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने तथा संगठनात्मक ढांचे को सुदृढ़ करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। विशेष रूप से ब्लॉक क्रमांक 17 के अंतर्गत आने वाले वार्ड क्रमांक 82, 84 एवं 85 की मतदाता सूचियों का सूक्ष्म एवं व्यापक परीक्षण करने, पात्र नागरिकों के नाम जोड़ने एवं त्रुटिपूर्ण प्रविष्टियों को निरस्त कराने हेतु सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को संगठित रूप से कार्य करने के निर्देश दिए गए। मतदाता सूची को सशक्त एवं पारदर्शी बनाने को संगठन की प्राथमिकता बताया गया।

धर्म को धारण करने से ही परमात्मा की होती है प्राप्ति : आचार्य शैलेंद्र तिवारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● धर्म त्याग है,धर्म तपस्या है,धर्म सत्य है,धर्म परोपकार है,जिसको धारण करके परमात्मा की प्राप्ति हो वही धर्म होता है, मानवता से बड़ा कोई धर्म नही होता है,जीवन में धर्म के मार्ग पर जरूर चले,साधु संतो के दर्शन मात्र से ही पुण्य की प्राप्ति होती है,जीवन में सत्य को जरूर धारण करना चाहिए, असत्य का जरूर त्याग करे,जीवन में व्यक्ति को अच्छा संग करना चाहिए,अच्छे विचार हमेशा होना चाहिए, संसार में व्यक्ति की चहेरे से नहीं चरित्र से पहचान होती है,जीवन में अगर कोई अच्छे कार्य करना का संकल्प ले तो वो कार्य जब तक पूरा न हो तब तक उस कार्य के लिए प्रयास करते रहना चाहिए प्रयास करने वालो को सफलता जरूर मिलती है,कभी किसी की निंदा नहीं करना चाहिए और नहीं ही कभी किसी की निंदा सुनना चाहिए,जीवन में कभी छल कपट बिल्कुल नही करना चाहिए।

एनएसयूआई की बड़ी बैठक में लवेश देवेंद्र सिंह यादव बने जिला उपाध्यक्ष, छात्र संघ चुनाव के लिए आंदोलन का आगाज़!

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● गांधी भवन कांग्रेस कार्यालय में आयोजित इंदौर जिला एनएसयूआई की महत्वपूर्ण बैठक में छात्र राजनीति की नई इबारत लिखी गई। प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे के निर्देशानुसार, जिला अध्यक्ष रजत सिंह पटेल ने युवा नेता लवेश देवेंद्र सिंह यादव को इंदौर जिला NSUI का उपाध्यक्ष नियुक्त कर संगठन की कमान सौंपी।

मुख्य एजेंडा: प्रत्यक्ष छात्र संघ चुनाव और 'घेराव' की चेतावनी- बैठक में छात्र हितों की रक्षा के लिए आर-पार की लड़ाई का संकल्प लिया गया। जिला अध्यक्ष रजत पटेल एवं नवनियुक्त उपाध्यक्ष लवेश यादव ने स्पष्ट किया कि: सभी महाविद्यालयों की समस्याओं के निराकरण के लिए चरणबद्ध आंदोलन होगा। प्रदेश में प्रत्यक्ष प्रणाली से छात्र संघ चुनाव कराने की पुरजोर मांग की जाएगी। मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपे जाएंगे; मांगें पूरी न होने पर घेराव किया जाएगा। 'कांग्रेस की मजबूती ही छात्रों की ताकत है। हम हर कॉलेज और यूनिवर्सिटी में छात्रों के हक के लिए मजबूती से लड़ेंगे।'

शपथ ग्रहण और वरिष्ठ नेताओं का मार्गदर्शन- बैठक में इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी के संगठन प्रभारी महामंत्री संजय वाखलीवाल ने सभी उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को कांग्रेस एवं हस्तु की मजबूती के लिए शपथ दिलाई।

समाजसेवी जीतू बगानी को 'आवाज अवार्ड' से सम्मानित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर प्रेस क्लब में 'नारी एक जिम्मेदारियां अनेक' विषय पर आयोजित आवाज ग्रुप के ईद मिलन समारोह में समाज में उल्लेखनीय योगदान देने वाले समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अंगदान क्षेत्र के समाजसेवी जीतू बगानी को उनके उत्कृष्ट एवं मानवता आधारित सेवा कार्यों के लिए 'आवाज अवार्ड' से सम्मानित किया गया। साथ ही सोनाली सोनी (ट्रैफिक सिगिंग कॉप), राजी कादरी, मुहम्मदी खिदमत ए इंसानियत वेलफेयर सोसायटी एवं पंखुरी किरनप्रकाश (नींव फाउंडेशन) को भी सम्मानित किया गया... कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से आए अतिथियों ने नारी सम्मान, समानता और सामाजिक जिम्मेदारियों पर अपने विचार साझा किए.. वक्ताओं ने समाज में सकारात्मक दृष्टिकोण, संवाद और महिला सशक्तिकरण की आवश्यकता पर जोर दिया.. यह आयोजन सामाजिक समरसता, मानवता और सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश देने वाला रहा।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, सोमवार 30 मार्च 2026

ई-रिक्शा ट्रैफिक में शहर को नंबर वन बनाने में बड़ा अड़ंगा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● स्मार्ट सिटी को ट्रैफिक में नंबर वन बनाने के लिए ट्रैफिक पुलिस नए-नए अभियान चला रही है। हेलमेट से लेकर नो पार्किंग और भारी वाहनों के प्रवेश और ट्रैफिक पुलिस की पेट्रोलिंग टीमें ट्रैफिक सुधारने में जुटी हुई है। ट्रैफिक का सबसे ज्यादा कबाड़ा करने वाली ई-रिक्शा को लेकर भी चार इलाके तय हुए हैं और ई-रिक्शा चालकों के लिए नियम बना दिए गए हैं। इसकी घोषणा तो हो गई है लेकिन ये अभी तक लागू नहीं हुआ है। जिस तरह से ई-रिक्शा चालक अभी भी नियमों को ताक पर रखकर अपने वाहन दौड़ा रहे हैं उससे अब ये सवाल उठ रहा है कि क्या ई-रिक्शा चालक नियमों का पालन करेंगे। इसका जवाब फिलहाल किसी के पास नहीं है लेकिन शहर अभी भी इनकी पीड़ा भोग रहा है. इसमें कोई राहत नहीं मिली इंदौर में 12 हजार से ज्यादा ई-रिक्शा का पंजीयन है दूसरी ओर अभी भी कई बिना पंजीयन सड़कों पर ट्रैफिक का कबाड़ा कर रहे हैं। इन अवैध ई-रिक्शा के खिलाफ फिलहाल कोई अभियान नहीं चलाया जा रहा है। हालात ये हैं कि इनकी मनमानी से हर छोटे-बड़े वाहन चालक परेशान है।

सिटी बस बंद ई-रिक्शा का कब्जा: राजवाड़ा पर ट्रैफिक सुधार की दृष्टि से सिटी बस पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। वैसे तो यहां ई-रिक्शा पर भी प्रतिबंध की बात कही गई थी कुछ दिनों तक इसका पालन भी हुआ लेकिन अब इसमें फिर ढीलपोल होने लगी है। हालात ये हैं कि अब सिटी बस के स्थान पर ई-रिक्शा राजवाड़ा इलाके के ट्रैफिक का कबाड़ा कर रही

है। चाहे जहां पार्क करना सवारी बिठाने के लिए रास्ते में रोक देना जैसे

नजारे आम हो गए हैं। हालात तो ये हैं कि यहां से गुजरने वाली पैदल महिलाओं को भी इन ई-रिक्शा के कारण परेशानियां झेलना पड़ रही है। ये भी पता चला है कि ई-रिक्शा के लिए रुट तय करने की घोषणा की गई थी और ई-रिक्शा वालों को इसके लिए रजिस्ट्रेशन करवाना था लेकिन अब तक केवल दो हजार ई-रिक्शा चालकों ने ही रजिस्ट्रेशन करवाया है। इससे ये भी आशंका हो रही है कि ये ई-रिक्शा वाले रुट तय करने के नियम मानेंगे या फिर मनमानी करेंगे।

कैसी-कैसी मनमानी दिख रही

ई-रिक्शा वाले सवारी बिठाने के चक्कर में कहीं भी गाड़ी रोक देते हैं। इन्हें इस बात की कोई चिंता नहीं होती कि उनकी इस तरह की मनमानी से ट्रैफिक का कबाड़ा हो रहा है। कई बार तो इन्हें समझाने वाले वाहन चालक से ही ये विवाद करने लगते हैं। इसके साथ ही ई-रिक्शा में ओवर लोडिंग भी कोई नई बात नहीं है। 10-12 सवारी के साथ ही चालक की सीट पर भी ये सवारी बिठा लेते हैं। कई ई-रिक्शा तो लोडिंग की तरह उपयोग हो रहे हैं। इनमें भरा सामान गाड़ी के बाहर तक झांकता रहता है, अक्सर इस तरह के सामान से दूसरे वाहन चालकों को परेशानी होती शहर में ई-रिक्शा के आने से आम लोगों को सस्ती सवारी की सुविधा मिलने की संभावना जताई गई थी लेकिन जिस तरह इनकी संख्या बढ़ती गई और मनमानी चरम पर पहुंचती गई उससे ये सुविधा के बजाए दिक्कतें परोसने का सबब बन रही हैं। इसके साथ ही ई-रिक्शा में यात्रा करने वाली महिलाओं के जेवर चोरी और बैग चोरी के मामले भी सामने आने लगे हैं। कई मामलों में तो चालक पर ही शक जाहिर किया जाता है। इस परेशानी से निजात कैसे और कब मिलेगी ये कोई नहीं जानता।

कहां हो रहा है नियमों का पालन

ई.रिक्शा के चालक के लिए ड्राइविंग लाइसेंस होना जरुरी है लेकिन इनका कोई पालन नहीं हो रहा है। ई-रिक्शा चालकों की जांच कभी भी नहीं होती है। गाड़ी का रजिस्ट्रेशन और बीमा जरुरी है लेकिन इसकी भी जांच नहीं की जाती है। ये नियम तय है कि ड्राइवर के अलावा केवल चार सवारी ही होना चाहिए लेकिन शहर में चलने वाले ज्यादातर ई-रिक्शा में 8 से 10 सवारी होना तो आम बात हो चुकी है। ई-रिक्शा की सख्ती से जांच होती है तो संगठन इसका विरोध करने लगते हैं, यही वजह है कि आरटीओ और ट्रैफिक पुलिस इनकी सख्ती से जांच नहीं करती।

भोपाल के एमपी नगर में हाई वोल्टेज ड्रामा

भोपाल ● ड्रैगन हॉर्स क्लब के बाहर चार युवतियों में जमकर हुई हाथापाई। देर रात तक चल रही थी दारू पार्टी, नशे में धुत थीं चारों युवतियां। रात करीब 2:30 बजे क्लब के बाहर बीच सड़क पर हुआ हंगामा। मारपीट में एक युवती को आई गंभीर चोटें, निजी अस्पताल में कराया गया भर्ती। एमपी नगर जोन-2 में रात भर उड़ती रहीं नियमों की धज्जियां।

आज महावीर जन्म कल्याणक के अवसर पर कांच मंदिर से निकलेगी भव्य स्वर्ण रथ यात्रा

इंदौर ● दैनिक इंदौर संकेत

भगवान महावीर जन्म कल्याणक के अवसर पर इंदौर शहर के 131 मंदिरों में प्रात: श्री जी की शोभायात्रा के बाद भगवान महावीर स्वामी की प्रतिमा जी के अभिषेक एवं विशेष पूजा होगी। अधिकतर घरों में धर्म ध्वज लगा दी हैं। दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद, इंदौर के अध्यक्ष श्री विनय बाकलीवाल , आनंद गोधा एवं प्रचार प्रमुख सतीश जैन ने बताया कि 30 मार्च को दोपहर 2:00 बजे महावीर जन्म कल्याणक के पावन अवसर पर विश्व प्रसिद्ध कांच मंदिर, हुकुमचंद मार्ग से भव्य स्वर्ण रथ यात्रा निकलेगी। स्वर्ण रथ यात्रा के सारथी बनने का सौभाग्य रोहित गंगवाल परिवार को प्राप्त हुआ है। शोभा यात्रा के प्रमुख संयोजक होंगे - नकुल पाटोदी एवं हर्ष जैन। 11 घोड़े,चार हाईटेक बग्घियों , बेंड-बाजों एवं पांच गोटों के लवाजमे के साथ निकलने वाली इस स्वर्ण रथ यात्रा में रथ में रजत सिंहासन पर भगवान महावीर स्वामी जी की प्रतिमा को विराजित करेंगे। जो नगर भ्रमण करेगी। शोभा यात्रा में विभिन्न मंदिरों, समाजो और सोशल ग्रुपों के द्वारा भव्य झांकियां निकाली जाएगी।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357,94245-83000

एक बार फिर हुई ग्वालियर में गोडसे की पूजा

ग्वालियर (एजेंसी) ● हिंदू महासभा के दफ्तर में की गई आरती, जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर डासना पीठाधीश्वर यति नरसिंहा नंद गिरी महाराज रहे विशेष रूप से मौजूद, दौलत गंज स्थित हिन्दू महासभा के कार्यालय में हुई गोडसे की पूजा अर्चना, सावरकर को भारत रत्न दिए जाने की मांग को लेकर बोले पीठाधीश्वर, सावरकर के लिए कोई सम्मान जरूरी नहीं, सरकार को करना चाहिए उन्हें सम्मानित, यूजीसी को लेकर पीठाधीश्वर ने कहा, यूजीसी का काला कानून सामान्य वर्ग के बच्चों को जमजात अपराधी घोषित करता हूं, मैं इसका हर संभव विरोध करता हूं, अगर कानून बन गया तो देश को गृह युद्ध में झोंक देगा, मिडिल ईस्ट तनाव पर पीठाधीश्वर ने कहा, ईरान जैसे जिहादी देश से इजराइल जैसा छोटा देश अपने अस्तित्व के लिए लड़ रहा है, जो लड़ाई इजराइल वहां लड़ रहा है, हम भारत देश में लड़ रहे हैं, हम विचारों से लड़ रहे हैं और वह हर तरह से लड़ रहा है।

भोपाल की ताल के चौपाल से

इंदौर वाला धाकड़ सप्लायर फिर चर्चा में, समधी जी के अनादर पर भड़के मंत्रीजी और अफसर बन गए बीजेपी के कार्यकर्ता!

बोल हरि बोल

हरीश दिवेकर

मध्यप्रदेश की राजनीति में धाकड़ सप्लायर का दबदबा, मंत्रीजी के पंडितजी का खौफ और अफसरों की कार्यकर्ता वाली भूमिका ने सत्ता के गलियारों में हलचल मचा दी है। आज के बोल हरि बोल में पढ़िए इन घटनाओं के बारे में विस्तार से...

मध्यप्रदेश की सियासत और सिस्टम के गलियारों में हर दिन कुछ न कुछ ऐसा पकता है, जो खुले मंच पर भले ही नजर न आए, पर अंदरखानों में उसकी खूब चर्चा होती है। कहीं प्रभाव का खेल चलता है, कहीं पद से ज्यादा पकड़ काम आती है। कहीं रिश्तों और रसूख के सहारे फैसलों की दिशा बदलती दिखाई देती है। आज के बोल हरि बोल में भी हम आपके लिए ऐसे ही किस्से लेकर आए हैं। अब देखिए न इंदौर वाला एक धाकड़ सप्लायर सब पर भारी है। छह महीने में ही उसने जमकर माल कूट दिया है। उधर, विपक्ष के एक नेताजी इन दिनों एक अजीब तरह की समस्या से दो-चार हैं। इधर, समधी के अनादर पर मंत्रीजी भड़क उठे। एक दूसरे मंत्रीजी एक तृतीय श्रेणी कर्मचारी के कब्जे में हैं। अफसर भी इस कर्मचारी का कुछ नहीं बिगाड़ पा रहे हैं।

वाकई धाकड़ है ये तो...

मध्यप्रदेश के चार बड़े महकमों में इंदौर के धाकड़ सप्लायर की खासी चर्चा है। उसका जलवा ऐसा है कि वह विभाग के अधिकारियों को जो टेंडर डॉक्यूमेंट बनाकर देता है, वैसा का वैसा टेंडर जारी होता है। हाल ये हैं कि न तो विभाग के अधिकारी और न ही टेंडर समिति के सदस्य धाकड़ के टेंडर में कोमा और बिंदी भी नहीं बदल सकते। अंदरखानों की मानें तो धाकड़ ने पिछले छह महीने में ही चार विभागों के 800 करोड़ रुपए के टेंडर उठा लिए हैं। जनाब! धाकड़ पढ़कर यदि आप सप्लायर को किरार समझ रहे हैं तो आपको बता दें कि ये जैन है, बस यह अपने नाम के साथ धाकड़ लगाता है। सही भी है, काम भी वह धाकड़ तरीके से ही कर रहा है। अब सवाल ये है कि आखिर धाकड़ के सिर पर किस बड़े शख्स का हाथ है।

ये पंडितजी तो मंत्री से भी भारी है!

सूबे के मुखिया डॉक्टर साहब के काबिना के एक कद्दावर मंत्री के स्टाफ में पदस्थ तृतीय श्रेणी का कर्मचारी इन दिनों फुल फॉर्म में है। दरअसल, यह नगर निगम का कर्मचारी है। पंडितजी के नाम से चर्चित इस कर्मचारी का जलवा इतना है कि यदि इसने कोई काम मना कर दिया तो फिर मंत्रीजी भी चाहकर उस काम को नहीं करा सकते हैं। हालात ये हैं कि ओएसडी से लेकर हर दूसरा कर्मचारी पंडितजी के कारनामे मंत्रीजी को बता चुके हैं, लेकिन मंत्रीजी उसे अपने स्टाफ से हटाने की हिम्मत नहीं कर पा रहे। यही वजह है कि विभाग के सीनियर आईएएस अफसर भी तृतीय श्रेणी के इस कर्मचारी का कुछ नहीं बिगाड़ पा रहे। अब आप यदि मंत्रीजी का नाम जानना चाहते हैं तो इतना बता सकता हूं कि उनके पास दो बड़े महकमे हैं। बाकी मेहनत आप खुद कर लीजिए।

ठेकेदार निकला कलाकार

कमलनाथ के गढ़ वाले एरिया में एक ठेकेदार कलाकार निकला है। उसने ब्यूरोक्रेट्स को चांदी की चमक दिखाकर काला सोना लूट लिया है। उसने जिला पंचायत से लेकर मंत्रालय तक ऐसी सेटिंग जमाई है कि वन क्षेत्र में स्टॉपडेम की मंजूरी लेकर करोड़ों का कोयला खोद डाला। सांसद से लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने जब हंगामा किया, तब जाकर कलेक्टर साहब ने आनन-फानन में ठेकेदार की जेसीबी मशीन जब्त की है। मामला ऊपर तक पहुंचा तो ठेकेदार से सांठ-गांठ करने वाले एक्टिव हो गए। अब मामले को दबाने की कोशिशें की जा रही हैं। देखते हैं, आगे क्या होता है?

समधी जी से कोई कुछ कैसे कह सकता है?

भोपाल में समधी की आवभगत और सेवा में कमी क्या हुई, मंत्रीजी ने अफसरों को बिजली का झटका दे दिया है। मंत्रीजी की नाराजगी के बाद अफसर भी करते, उन्होंने अब इस मामले में ठीकरा आउटसोर्स कर्मचारी पर फोड़ दिया है। उस पर एक्शन लेकर मामला शांत करने की कोशिशें की जा रही हैं। दरअसल, मंत्रीजी के विभाग के गेस्ट हाउस में ही समधी को न तो पीने का पानी मिला और ना ही साफ सुथरा कमरा। समधी ने भी अव्यवस्था पर मंत्रीजी की चुटकी ले ली। इसके बाद मंत्रीजी भमकते फिर रहे हैं। कह रहे हैं कि समधी के सामने मेरी इज्जत का कचरा करवा दिया। अब बात इज्जत और प्रतिष्ठा दोनों की है, सो मामला बाहर आ गया है।

आईएएस अफसर बने कार्यकर्ता

सूबे के मुखिया के जन्मदिन पर उन्हें बधाइयां देने के लिए नेताओं और प्रभावशाली लोगों का तांता लगा रहा। मेला जैसी स्थिति थी। कोई इंदौर से आया था तो कोई सागर से। हर कोई डॉक्टर साहब को अपना चेहरा दिखाना चाहता था, मिलकर उन्हें बधाई देना चाहता था। नेता और कार्यकर्ता को तो इस तरह की भीड़ में घुसकर गुलदस्ते देकर सेल्फी लेना और बधाई देने की आदत है, लेकिन यहां कुछ खास था। यह पहली बार था, जब आईएएस अफसर भी डॉक्टर साहब को चेहरा दिखाने और गुलदस्ता देने के लिए भीड़ में धक्का-मुक्की करते देखे गए। यहीं एक दिलचस्प वाक्या यह हुआ कि भीड़ में अपने सीनियर अधिकारी को घुसते देखकर एक महिला आईएएस ने भी प्रयास किए। तभी भीड़ का जोर से धक्का लगा और मैडम झटका खाकर चार कदम दूर गिर गईं। इस तरह डॉक्टर साहब को मुंह दिखाना उन्हें भारी पड़ गया।

नेताजी अलग परेशान हैं...

विपक्ष के एक बड़े नेताजी इन दिनों खासे परेशान हैं। उनकी इस उलझन की वजह पार्टी के भीतर कोई टकराव या सामंजस्य की कमी नहीं, बल्कि उनकी अपनी कमजोरी है। दरअसल, नेताजी का मानना है कि उनकी जमीनी पकड़ तो है, लेकिन समाज का बुद्धिजीवी वर्ग उन्हें भाव नहीं देता। वे जहां भी जाते हैं, वहां या तो गणमान्य जन आते ही नहीं हैं और यदि आते भी हैं तो कन्नी काटते रहते हैं। पिछले दिनों बुद्धिजीवियों के साथ उन्होंने ऐसी ही एक मीटिंग रखी थी। यहां उन्होंने खुद यह स्वीकार किया कि वे बुद्धिजीवियों के खास नहीं बन पा रहे हैं। उन्होंने जब खुले मन से यह बात स्वीकार की तो वहां मौजूद गणमान्य जन भी एक पल के सन्न रह गए। चूंकि नेताजी के पास प्रदेश में सबसे बड़ा पद है, लिहाजा जब उन्होंने यह बात कही तो हर कोई दंग रह गया। किसी ने उनकी साफगोई की सराहना की तो कोई उन्हें सलाह देता नजर आया।

विश्व में पहली बार किसी देश में नर्सिंग प्रोफेशन से केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री बनी निशा मेहता

भोपाल (एजेंसी) ● मध्यप्रदेश की नर्सिंग शिक्षा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित हुई है। नेपाल में हाल ही में हुए राजनीतिक फेरबदल के पश्चात नेपाल सरकार में मध्यप्रदेश की पूर्व नर्सिंग छात्रा निशा मेहता को केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं जनसंख्या मंत्री नियुक्त किया गया है। यह न केवल मध्यप्रदेश बल्कि पूरे विश्व के नर्सिंग प्रोफेशन के लिए ऐतिहासिक और प्रेरणादायक उपलब्धि है। एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने निशा मेहता को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि यह मध्यप्रदेश और नर्सिंग क्षेत्र से जुड़े प्रत्येक छात्र-छात्रा के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि पहली बार विश्व में किसी देश के केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री का दायित्व नर्सिंग प्रोफेशन से जुड़ी प्रतिनिधि को सौंपा गया है, जो इस पेशे की योग्यता, नेतृत्व क्षमता और समर्पण का वैश्विक प्रमाण है।

रवि परमार ने जानकारी देते हुए बताया कि निशा मेहता ने बीएससी नर्सिंग की शिक्षा AIIMS Delhi से वर्ष 2006 से 2010 के बीच पूर्ण की। इसके पश्चात उन्होंने मध्यप्रदेश के ग्वालियर स्थित से एमएससी नर्सिंग की उपाधि प्राप्त की। उनकी शैक्षणिक यात्रा दिल्ली और मध्यप्रदेश की धरती से प्रारंभ होकर आज राष्ट्रीय नेतृत्व के शिखर तक पहुंची है। रवि परमार ने कहा कि यह उपलब्धि दर्शाती है कि नर्सिंग प्रोफेशन केवल सेवा का क्षेत्र नहीं, बल्कि नीति-निर्माण और नेतृत्व का भी सशक्त माध्यम है। नेपाल सरकार द्वारा लिया गया यह निर्णय नर्सिंग समुदाय को सम्मान और प्रतिनिधित्व देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। रवि परमार ने जानकारी देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश के नर्सिंग विद्यार्थियों का एक प्रतिनिधिमंडल शीघ्र ही नेपाल पहुंच कर नेपाल की केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं जनसंख्या मंत्री निशा मेहता से सौजन्य भेंट कर मध्यप्रदेश आमंत्रित करेगा।

सम्पादकीय

स्क्रीन की साजिश या लत की कहानी, बच्चों को क्यों जकड़ रहा है सोशल मीडिया का जाल

आज के दौर में लगभग हर हाथ में स्मार्टफोन है और सस्ते इंटरनेट की सुविधा ने आभासी दुनिया तक पहुंच को आसान बना दिया है। इसका सबसे ज्यादा और गहरा असर बच्चों एवं किशोरों पर पड़ रहा है। इसमें दो राय नहीं कि सोशल मीडिया के आने से सूचना का प्रवाह तेज हुआ है, सार्वजनिक अभिव्यक्ति के नए अवसर खुले हैं और रचनात्मकता के प्रदर्शन को भी नया मंच मिला है। मगर सतर्कता और सावधानी न बरती जाए, तो कई बार तकनीक की सुविधा भी असुविधा बन जाती है। सोशल मीडिया को लेकर भी इसी तरह की समस्याएं सामने आ रही हैं। खासकर बच्चों और किशोरों पर इसका नकारात्मक प्रभाव ज्यादा देखने को मिल रहा है। अभी तक माना जा रहा था कि बच्चों का सोशल मीडिया पर बेरोक-टोक ज्यादा समय बिताने से वे इसके आदी हो रहे हैं, जिसका न केवल उनकी पढ़ाई पर असर पड़ रहा है, बल्कि स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें भी पैदा हो रही हैं। मगर अमेरिका की एक अदालत की ओर से हाल में दिए गए फैसले में कहा गया कि बच्चों में सोशल मीडिया के इस्तेमाल की बढ़ती प्रवृत्ति के लिए संबंधित कंपनियां भी जिम्मेदार हैं। इन मंचों के डिजाइन में ऐसी खामियां हैं, जिसकी वजह से बच्चों को इनकी लत लग जाती है। गौरतलब है कि आज के दौर में लगभग हर हाथ में स्मार्टफोन है और सस्ते इंटरनेट की सुविधा ने आभासी दुनिया तक पहुंच को आसान बना दिया है। इसका सबसे ज्यादा और गहरा असर बच्चों एवं किशोरों पर पड़ रहा है। सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से उनमें चिंता, अवसाद, नींद की कमी और एकाग्रता में कमी जैसी गंभीर समस्याएं सामने आ रही हैं। इसी के मद्देनजर अमेरिका में मेटा और गूगल के खिलाफ मुकदमा दायर किया गया था। अभियोजन पक्ष की ओर से दलील दी गई कि सोशल मीडिया मंचों को तकनीकी तौर पर इस तरह से तैयार किया गया है कि वे बच्चों को इसके बार-बार इस्तेमाल के लिए ललचाते हैं। अदालत ने अपने फैसले में इस तथ्य को सही पाया और दोनों कंपनियों पर भारी जुर्माना भी लगाया। तकनीकी तौर पर भले ही यह पक्ष सही है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि इस मामले में अभिभावकों की अपने बच्चों के प्रति जिम्मेदारी कम हो जाती है। बच्चों के सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर नजर रखना और समय सीमा तय करना जरूरी है, ताकि उन्हें इसके दुष्प्रभावों से दूर रखा जा सके।

ईरान पर अमेरिकी और इजरायल के हमलों के कारण आम आदमी का जीवन ठप हो गया है

पश्चिम एशिया में लगातार जंग जारी है। ईरान और इजरायल एक-दूसरे पर मिसाइलों से हमले कर रहे हैं। उधर ट्रंप कभी जंग का समाधान निकालने की कोशिश कर रहे हैं, तो कभी ईरान को धमकी देते नजर आ रहे हैं। अब ईरान के एक सीनियर अधिकारी ने वॉशिंगटन की हालिया राजनयिक पहलों को दिखावा बताकर उन्हें खारिज कर दिया है। तेहरान ने कहा कि अमेरिका के वैश्विक प्रभाव का एक समय पर दबदबा था, जो अब खत्म हो चुका है।

पहले कुछ दिनों में ईरानी सेना द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने से वैश्विक तेल आपूर्ति बाधित हो गई है। अब ईरान वर्तमान में कुछ देशों के जहाजों और तेल टैंकरों को 2 मिलियन अमेरिकी डॉलर यानी लगभग 18 करोड़ रुपये में होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति दे रहा है। टैंकर फंस गए हैं। आज तक, ईरानी सेना ने ईरानी सेना के बावजूद रास्ते से हटने की कोशिश कर रहे 20 जहाजों पर मिसाइल या ड्रोन दागे हैं। यह व्यापक रूप से माना जाता है कि वैश्विक तेल आपूर्ति में व्यवधान से केवल पेट्रोल और डीजल की कमी होगी। लेकिन आधुनिक दुनिया में कच्चे तेल से उत्पादित उत्पादों और वस्तुओं ने इतनी घुसपैठ की है कि कच्चे तेल की आपूर्ति का मतलब है कि आम आदमी का जीवन ठप हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कल भारतीय संसद में लॉकडाउन के साथ इसकी तुलना इस अत्यधिक कच्ची निर्भरता के कारण की है। अगर हम इसके दूरगामी प्रभावों को ध्यान में रखें और देखें कि हमें किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है, तो हम आने वाले महीनों के लिए सावधान रह सकते हैं।

कतर में रास लाफान गैस टर्मिनल पर ईरानी हमले ने भारत की 47% गैस आपूर्ति को सीधे प्रभावित किया है, जिसने सभी गैस-आधारित उद्योगों को प्रभावित किया है। एलपीजी गैस का उपयोग कोयले के विकल्प के रूप में कई उद्योगों में एकमात्र ईंधन स्रोत के रूप में किया जाता है, जो गैर-प्रदूषणकारी और उपयोग में आसान है। रेस्टोरेंट और रेडी-टू-ईट इंडस्ट्री सबसे ज्यादा प्रभावित हुई है। इसका आने वाले वर्षों में फूड होम डिलीवरी इंडस्ट्री पर सीधा असर पड़ेगा, जिसके परिणामस्वरूप लाखों लोग डिलीवरी चेन में कार्यरत रहते हैं और बेरोजगार हो जाते हैं।

मोरबी, दुनिया का नंबर 2 सिरेमिक विनिर्माण केंद्र, मोरबी, गुजरात में विकसित हुआ है। यह देश की 90% टाइलों का उत्पादन करता है और लगभग 9 लाख लोगों को रोजगार देता है। इसका वार्षिक कारोबार 50,000 करोड़ रुपये का है, जिसमें से 18,000 करोड़ रुपये का निर्यात किया जाता है। यहां तक कि अगर फ्लैट बनाया गया है, तो टाइल्स की कमी के कारण आंतरिक कार्य में देरी होगी।कांच की बोतल और घरेलू उपकरणों की भट्टियां बड़ी मात्रा में गैस की खपत करती हैं। उन्हें

बंद करने में लंबा समय लगता है और पुनरारंभ करते समय नुकसान हो सकता है। यदि बोतलों की आपूर्ति बाधित या बाधित होती है, तो शराब और दवाओं की पैकिंग के लिए उपयोग की जाने वाली बोतलें महंगी हो जाएंगी या अपर्याप्त आपूर्ति के कारण समस्याग्रस्त हो जाएंगी। कई आधुनिक दवाएं पेट्रोकेमिकल्स से बनाई जाती हैं, इसलिए यह स्वाभाविक है कि अपर्याप्त आपूर्ति दवाओं के उत्पादन को प्रभावित करती है।हमारे दैनिक जीवन में सबसे अधिक इस्तेमाल की जाने वाली दवा फिनोल से बना पेरासिटामोल है, इबुप्रोफेन दर्द निवारक आइसोब्यूटाइलबेंजीन और प्रोपियोनिक एसिड से बनाया जाता है, मेटफॉर्मिन 80 से 90 प्रतिशत पेट्रोकेमिकल-आधारित होता है, और अन्य दवाओं के लिए 99 प्रतिशत कच्चा माल पेट्रोकेमिकल्स से आता है। नेफ्था, जिसका उपयोग होर्मुज जलडमरूमध्य में फार्मास्यूटिकल्स के लिए किया जाता है, वर्तमान में बंद है। नेफ्था का उपयोग फार्मास्युटिकल उद्योग में विलायक के रूप में किया जाता है और इसका उपयोग सक्रिय अवयवों को अलग करने के लिए किया जाता है। भारत जेनेरिक दवाओं का दुनिया का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है। यह दुनिया की 20 प्रतिशत जरूरतों और संयुक्त राज्य अमेरिका की 40 प्रतिशत जरूरतों को पूरा करता है। लेकिन आपूर्ति में व्यवधान के कारण उद्योग वर्तमान में संकट में है। प्राथमिकता के कारण, उद्योग के लिए उपलब्ध पेट्रोकेमिकल उत्पादों की कमी है।सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया जैसे संस्थान, जो दुनिया के 40-50% टीकों की आपूर्ति करते हैं, पेट्रोकेमिकल्स पर भी निर्भर हैं, जो वैक्सीन की बोतलों, सीरिंज, पैकेजिंग और यहां तक कि वैक्सीन के घटकों में बहुत उच्च श्रेणी के प्लास्टिक हैं, जो पेट्रोकेमिकल्स पर आधारित हैं, जो उत्पादन की लागत बढ़ा रहे हैं और उपलब्धता को कम कर रहे हैं। अरब देशों और ईरान रासायनिक उर्वरकों के विश्व उत्पादन का 20% हिस्सा हैं, लेकिन यूरिया के उत्पादन का 46% हिस्सा है। भारत, ब्राजील और चीन अरब देशों के प्रमुख उपभोक्ता हैं। भारत अरब देशों से अमोनियम नाइट्रेट जैसे अन्य उर्वरकों के अलावा अरब देशों से यूरिया की अपनी वार्षिक आवश्यकता का 50% आयात करता है। देश में खाद्य उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उर्वरक की बढ़ती कीमतों और अपर्याप्त आपूर्ति के कारण दुनिया भर में भोजन की कमी की संभावना के बारे में पहले से ही बात की जा रही है। भोजन की कमी और राजनीतिक स्थिरता का गहरा संबंध है। जिन देशों में भोजन की कमी और मुद्रास्फीति बढ़ती है, वहां सत्तारूढ़ दलों का विरोध और हिंसा का सामना करने का इतिहास रहा है, जिसके कारण एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में कई राजनीतिक तूफान आए हैं। अरब देशों में वैश्विक सल्फर उत्पादन का 50% हिस्सा है, जिनमें से लगभग सभी ईरानी हमलों से प्रभावित हुए हैं, या क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया गया है, तैयार उत्पादों के लिए वैश्विक बाजार में जाने का कोई रास्ता नहीं है। इससे सल्फर आधारित उर्वरकों की आपूर्ति प्रभावित हुई है और कीमतों में 50% की वृद्धि हुई है। ईवी बैटरी उद्योग में तांबा, निकल, कोबाल्ट के उत्पादन में सल्फ्यूरिक एसिड आवश्यक है, जो पूरे बैटरी उद्योग को प्रभावित करेगा। हीलियम को प्राकृतिक गैस प्रसंस्करण के दौरान उप-उत्पाद के रूप में निकाला जाता है। जब एलएनजी उत्पादन बंद हो जाता है, तो हीलियम की आपूर्ति बंद हो जाती है। कतर में रास लाफान परिसर पर हमलों के बाद से हीलियम का उत्पादन रुक गया है, जो दुनिया में सबसे बड़ा हीलियम पैदा करता है। यह दुनिया की आपूर्ति का लगभग 30 से 36 प्रतिशत आपूर्ति करता है। उन्होंने कहा कि यदि इन कंटेनरों को लगभग 45 दिनों के भीतर नहीं ले जाया जाता है, तो गैस टैंकरों का एक बड़ा हिस्सा स्थायी रूप से नष्ट हो जाएगा । हीलियम एकमात्र ऐसी चीज है जिसे हीलियम द्वारा प्राप्त किया जा सकता है, जो एमआरआई स्कैनिंग मशीनों द्वारा उत्पादित छवियों में स्पष्टता सुनिश्चित करने के लिए चिकित्सा क्षेत्र में सबसे महत्वपूर्ण चीज है, जिसके लिए बहुत कम तापमान की आवश्यकता होती है। पूर्वी एशिया में अर्धचालक उद्योग पर तत्काल और गंभीर प्रभाव पड़ता है। हीलियम अर्धचालक बनाने की प्रक्रिया में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसका उपयोग अर्धचालकों में वेफर्स को ठंडा करने के लिए किया जाता है। वैक्यूम सिस्टम में रिसाव की जांच के लिए हीलियम का कोई अन्य विकल्प नहीं है। 5 नैनोमीटर से कम चिप्स में, विनिर्माण प्रक्रिया में थोड़ी सी भी गर्मी उत्पादन में बड़ी कमी या उत्पादन में पूर्ण विराम का कारण बन सकती है। इसलिए यह मुसीबत में है। क्योंकि कोरिया अपने हीलियम का दो-तिहाई हिस्सा कतर से आयात करता है। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स और एसके हाइनिक्स जैसी कंपनियां, जो एआई त्वरक के लिए आवश्यक उच्च-बैंडविड्थ मेमोरी की आपूर्ति में विश्व में अग्रणी हैं, ने हीलियम के संरक्षण के लिए पहले ही कदम उठाना शुरू कर दिया है। 2026 में, इससे डिजिटल उपकरण, विशेष रूप से मोबाइल हैंडसेट, लैपटॉप की ओर ले जाया जाएगा। टैबलेट और सैन्य और नागरिक ड्रोन सहित वर्तमान प्रमुख एआई तकनीक को कम उत्पादन और बढ़ी हुई लागत के दोहरे खतरे का सामना करना पड़ेगा। बहरीन एल्युमीनियम कंपनी अल्बा दुनिया की अग्रणी एल्युमीनियम कंपनियों में से एक है और इसे दुनिया की सबसे बड़ी सिंगल-साइट स्मेल्टिंग फैसिलिटी के रूप में जाना जाता है। ईरानी हमले के कारण इसकी तीन इकाइयां बंद होने के कारण वैश्विक आपूर्ति बाधित होने के कारण बीयर और शीतल पेय के डिब्बे की कीमतें बढ़ रही हैं। इन पेय पदार्थों के लिए इस्तेमाल होने वाली कांच की बोतलें भी गैस की कमी के कारण महंगी हो गई हैं। इससे इन पेय पदार्थों की पैकेजिंग 20 से 40 प्रतिशत अधिक महंगी हो जाएगी। इसके अलावा, फार्मास्युटिकल उद्योग में सर्जिकल उपकरणों, फॉइल और खाद्य पैकेजिंग में एल्युमीनियम के उपयोग की लागत भी महंगी होगी, जो एक साथ कई उद्योगों को प्रभावित करेगी। पेट्रोल और डीजल की कमी और उद्योगों में वृद्धि दैनिक जीवन में हर चीज की कीमत को प्रभावित करने जा रही है। भारत में कीमतें अभी तक नहीं बढ़ी हैं, लेकिन जल्द ही बढ़ेंगी। जेट ईंधन की कीमतें बढ़ेंगी और हवाई यात्रा महंगी हो जाएगी। ईंधन की कीमतों का खाद्यान्न, सब्जी, दूध, शिक्षा, रोजगार पर बड़ा प्रभाव पड़ेगा। रेडी-टू-ईट फूड की होम डिलीवरी पर सबसे ज्यादा असर पड़ेगा, होम इंडस्ट्री और लघु उद्योगों पर सबसे ज्यादा असर पड़ेगा, भारत के कोने-कोने में फल-फूल रही घरेलू टूरिज्म और कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री भी बड़ी मुसीबत में फंस जाएगी, इसके लिए सामूहिक ज्ञान और सावधानी की आवश्यकता है। यही एक बड़ा कारण है कि सरकार हमें कोरोना की समस्या की याद दिला रही है क्योंकि लंबे समय तक चलने वाली लड़ाई हमारे लिए इतना समय और बड़ी मुश्किलें पैदा कर सकती है कि शायद हम भूल जाएंगे!

अशोक भाटिया, वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार ,लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

नगर पालिका में सांसद-विधायक समर्थक 6 एल्डरमैन नियुक्त

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● नगर पालिका परिषद में 6 एल्डरमैन नियुक्त हुए हैं, जबकि जिले की अन्य नगर परिषदों में 4-4 सदस्यों को मनोनीत किया गया है। इन एल्डरमैन के नामों का राजपत्र में प्रकाशन हो चुका है और जल्द ही एक समारोह में इन्हें पदभार सौंपा जाएगा। खरगोन नगर पालिका में भाजपा समर्थित एल्डरमैन के रूप में सुनीता गांगले, पवन सेन, दीपक कराले, पुरुषोत्तम कुमावत, अनिल गुप्ता और युवराज व्यास को नियुक्त किया गया है। इन नियुक्तियों की अनुशंसा सांसद गजेंद्रसिंह पटेल, विधायक बालकृष्ण पाटीदार, भाजपा जिलाध्यक्ष नंदा ब्राह्मणे और नगर पालिका अध्यक्ष छाया जोशी ने की थी। जिले की कसरावद नगर परिषद में शंकर कुशवाह (वार्ड 12), मंगला शरदचंद्र सराफ (वार्ड 11), जितेंद्र पाटीदार (वार्ड 13) और बिहारी यादव (वार्ड 13) को एल्डरमैन बनाया गया है। भीकनगांव नगर परिषद में जिलाध्यक्ष नंदा ब्राह्मणे की अनुशंसा पर कपिल शर्मा (वार्ड 13), ज्योति भावसार (वार्ड 10), मंजू शुक्ला (वार्ड 14) और खेमचंद शर्मा (वार्ड 4) को मनोनीत किया गया है।

महेश्वर नगर परिषद में विधायक राजकुमार मेव की अनुशंसा पर योगेश गेहलोत (वार्ड 7), सिंधु जोशी (वार्ड 3), जितेंद्र सावले (वार्ड 15), जितेंद्र साकले और महेश चंदेरीवाल को नियुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त, सांसद गजेंद्र सिंह पटेल की अनुशंसा पर बिस्टान नगर परिषद में आनंदराम यादव (वार्ड 14), सुगनकौर जाधव (वार्ड 5), जयंतीलाल जायसवाल और लक्ष्मीनारायण सूर्यकर (वार्ड 8) को एल्डरमैन बनाया गया है। मंडलेश्वर नगर परिषद में पवन अग्रवाल, मंजुला संतोष मेवाडे, गणेश पाटीदार (वार्ड 10) और अनिरुद्ध हलवे (वार्ड 2) की नियुक्ति की गई है।

नगर निगम 'वेस्ट टू बेस्ट' अभियान से दे रहा पर्यावरण संरक्षण का संदेश

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर● नगर निगम आयुक्त संदीप श्रीवास्तव के निर्देश और सहायक आयुक्त स्वर्णिका वर्मा के मार्गदर्शन में 'वेस्ट टू बेस्ट' अभियान चला रहा है। इस पहल के तहत, एक एनजीओ टीम के साथ मिलकर शहर में '3क्र गार्डन' को आकर्षक बनाया जा रहा है। यह अभियान स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 की तैयारियों का हिस्सा है और इसका मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण का संदेश देना है।

इस अभियान के तहत, ट्रेंचिंग ग्राउंड से प्राप्त प्लास्टिक की बोतलें, मटके, तेल के कैन, पुराने ड्रम और टायरों जैसी अनुपयोगी वस्तुओं का उपयोग किया जा रहा है। इन कबाड़ से जुगाड़ करके पौधे लगाने के लिए गमले, सजावटी वस्तुएं और अन्य उपयोगी चीजें तैयार की जा रही हैं, जिससे नागरिकों को पुरानी वस्तुओं का पुन: उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जा सके। सहायक आयुक्त स्वर्णिका वर्मा ने बताया कि स्वच्छता सर्वेक्षण के तहत पूरे प्रदेश में 'वेस्ट टू बेस्ट' अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में नगर निगम और एनजीओ समूह मिलकर पुरानी बोतलों, टायरों और प्लास्टिक कचरे का उपयोग कर पार्क, बैठने की जगहें और सजावटी

सामान तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रयास न केवल शहरों को स्वच्छ बना रहा है, बल्कि '3ष्ठ तकनीक' के माध्यम से सर्कुलर इकोनॉमी को भी बढ़ावा दे रहा है।

इस पहल के तहत, वेस्ट मटेरियल से विभिन्न प्रकार की सजावटी वस्तुएं और फर्नीचर बनाए जा रहे हैं। बेकार पड़े टायरों और प्लास्टिक बोतलों से गमले, बैठने की कुर्सियां और मेजें तैयार की जा रही हैं। इसके अतिरिक्त, ई-वेस्ट से कलाकृतियां और प्लास्टिक लिफाफों से गुलदस्ते जैसे घर की सजावट के सामान भी बनाए जा रहे हैं।

नेशनल हाईवे के मोकलगांव टोल प्लाजा की दरों में बदलाव

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा● नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत के साथ ही नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने टोल दरों में बढ़ोतरी कर दी है। खंडवा में 1 अप्रैल 2026 से लागू होने वाली नई दरों का असर खंडवा जिले के मोकलगांव टोल प्लाजा पर भी साफ तौर पर दिखाई देगा। अलग-अलग श्रेणी के वाहनों के लिए टोल शुल्क में 5 रुपए से लेकर 25 रुपए तक की वृद्धि की गई है। यह टोल प्लाजा इंदौर-एदलाबाद नेशनल हाईवे पर स्थित है, जो खंडवा को बुरहानपुर के रास्ते इंदौर से जोड़ता है। इस मार्ग से रोजाना बड़ी संख्या में निजी और वाणिज्यिक वाहन गुजरते हैं, ऐसे में नई दरों का सीधा असर वाहन चालकों की जेब पर पड़ेगा।

वाहनों के हिसाब से नई दरें- नई दरों के मुताबिक, कार, जीप और वैन जैसे हल्के वाहनों के लिए एकल यात्रा शुल्क 100 रुपए से बढ़ाकर 105 रुपए कर दिया गया है, जबकि वापसी शुल्क 150 से बढ़कर 155 रुपए हो गया है। हल्के वाणिज्यिक वाहन और मिनी बसों के लिए एकल यात्रा शुल्क 165 रुपए और वापसी शुल्क 250 रुपए तय किया गया है।

बस और ट्रक (दो धुरी) के लिए एकल यात्रा का शुल्क अब 350 रुपए होगा, जबकि तीन धुरी और भारी वाहनों के लिए भी टोल दरों में बढ़ोतरी की गई है। बड़े वाहनों (7 या अधिक धुरी) के लिए एकल यात्रा शुल्क 665 रुपए तक पहुंच गया है। टोल प्लाजा से 20 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले गैर-वाणिज्यिक स्थानीय वाहन चालकों को राहत दी गई है। उनके लिए मासिक पास की दर 340 रुपए ही रखी गई है, जिसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है।

तरबूज किसानों को नुकसान, कैप्सूल आकार के बीज से गोल फल उगे, व्यापारी खरीदने को तैयार नहीं

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर● जिले के नेपानगर क्षेत्र के नावरा और डाभियाखेड़ा गांवों के किसान तरबूज की फसल को लेकर परेशान हैं। किसानों का आरोप है कि उन्हें कैप्सूल आकार के तरबूज के बीज बेचे गए थे, लेकिन खेतों में गोल आकार के तरबूज पैदा हुए। इस कारण व्यापारी उनका माल खरीदने से इनकार कर रहे हैं, जिससे किसानों को भारी नुकसान हो रहा है। नावरा गांव के किसान नितिन काशीनाथ चौधरी ने बताया कि उन्होंने अपने खेत में 40 हजार तरबूज के रोपे लगाए थे। ये बीज बुरहानपुर की एक एग्रो एजेंसी से खरीदे गए थे। एजेंसी संचालक ने बेहतर उत्पादन और कैप्सूल जैसे लंबे, लगभग 5 किलो वजनी तरबूज पैदा होने का आश्वासन दिया था। हालांकि, फसल तैयार होने पर तरबूज गोल आकार के और केवल एक से ढाई किलो वजनी निकले। बाजार में कैप्सूल आकार के तरबूज की अधिक मांग होने के कारण व्यापारी इन गोल तरबूजों को खरीदने से मना कर रहे हैं। स्थानीय किसान भी लंबे समय से गोल आकार के तरबूज नहीं उगाते हैं।

डाभियाखेड़ा के किसान आमीन अमीर शेख ने बताया कि उन्होंने फसल पर लगभग 2 लाख रुपये खर्च किए हैं, लेकिन व्यापारी उनका माल उठाने में आनाकानी कर रहे हैं।

इस मामले में बीज बेचने वाले दुकान संचालक का कहना है कि उन्होंने कंपनी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार ही किसानों को बीज उपलब्ध कराए हैं और इसमें उनकी कोई गलती नहीं है। किसान इस धोखाधड़ी की शिकायत जिला प्रशासन से करने की तैयारी कर रहे हैं।

जनगणना का काम 1 मई से, कलेक्टर ने समय-सीमा में कार्य पूरे करने के निर्देश दिए

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर● जिले में जनगणना 2027 का कार्य दो चरणों में किया जाएगा। इसके पहले चरण में मकानों के सूचीकरण और गणना का काम 1 मई से 30 मई तक चलेगा। इस महत्वपूर्ण कार्य की तैयारियों की समीक्षा के लिए

कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी हर्ष सिंह ने शनिवार को बैठक ली। कलेक्टर हर्ष सिंह ने शनिवार को चार्ज और अतिरिक्त चार्ज अधिकारियों के साथ बैठक में कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरे किए जाएं और जनगणना से संबंधित हर गतिविधि को गंभीरता व जिम्मेदारी के साथ संपादित किया जाए। बैठक में कलेक्टर सिंह ने प्रगणकों और पर्यवेक्षकों की नियुक्ति तथा उनकी जानकारी की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि संबंधित पोर्टल पर प्रगणकों और पर्यवेक्षकों की सूची अपलोड की जाए। चार्ज अधिकारियों से कहा गया कि वे काम की लगातार निगरानी करें और त्रुटिरहित तथा नियमानुसार कार्य संपन्न कराएं। कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कलेक्टर ने जिले में आयोजित होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी भी ली और निर्देश दिए कि सभी प्रशिक्षण निर्धारित समय-सीमा में पूरे किए जाएं। इस दौरान उन्होंने मकान सूचीकरण ब्लॉक के गठन और मैपिंग की समीक्षा भी की।उल्लेखनीय है कि जनगणना-2027 के तहत जिले में 29 फील्ड ट्रेनर्स का तीन दिवसीय प्रशिक्षण 1 से 3 अप्रैल तक आयोजित होगा। वहीं, प्रगणकों और पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण 8 अप्रैल 2026 से शुरू होगा।इस समीक्षा बैठक में सीईओ जिला पंचायत एवं अपर कलेक्टर सृजन वर्मा, डिप्टी कलेक्टर राजेश पाटीदार, जिला योजना अधिकारी लूसिया रावत सहित समस्त चार्ज और अतिरिक्त चार्ज अधिकारी उपस्थित रहे।

कार पलटी 5 लोग घायल, शिवा बाबा जाते वक्त पंधाना के पास हादसा

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा● एक कार पलटने से बड़ा हादसा हो गया। कार सवार 5 लोग घायल हो गए हैं, इनमें 3 की हालत गंभीर हैं। जिन्हें प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल के लिए रेफर किया। यहां डॉक्टरों ने चेकअप के बाद भर्ती किया और इलाज शुरू कर दिया हैं। सभी लोग इंदौर के रहने वाले बताए जा रहे हैं। घटना पंधाना-कालंका रोड़ पर ग्राम बड़ौदा अहीर के पास हुई हैं। तेज रफ्तार कार ने आगे जा रहे वाहन को ओवरटेक किया, इससे संतुलन बिगड़ा तो कार रोड़ से नीचे खेतों में उतर गई और पलटी खा गई। हादसे की जानकारी ग्रामीणों को लगी तो वे मौके पर पहुंचे और कार को सीधा कर घायलों को बाहर निकाला। डायल 112 को सूचना दी, इसके बाद पुलिस ने मौके से सभी घायलों को पंधाना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। 3 घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल रेफर किया गया।

शिवा बाबा तरफ जा रही थी इंदौर की कार

पंधाना पुलिस के अनुसार, घटना दोपहर ढ़ाई बजे के करीब की हैं। फिलहाल घायलों का इलाज चल रहा है। इंदौर निवासी घायल विष्णु की हालत ज्यादा गंभीर हैं। पूछताछ में पता चला है कि, सभी लोग शिवा बाबा की तरफ जा रहे थे। कार सवार कुछ लोग प्रापर्टी से जुड़े काम करते हैं। घायलों के बारे में और जानकारी एकत्र की जा रही हैं।

राष्ट्रीय महिला पुरुष बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप-2026 में मुख्यमंत्री और निशांत खरे ने खिलाडियों को प्रोत्साहित किया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बास्केटबॉल कॉम्प्लेक्स में चल रही 17वीं राष्ट्रीय महिला पुरुष बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप में पहुंचे और बॉडी बिल्डर्स का प्रदर्शन देखा। इस मौके पर आयोजन समिति की ओर से सीएम डॉक्टर मोहन यादव का अभिनंदन किया। सीएम ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस मौके पर पांच लाख रुपये देने की घोषणा की। इस मौके पर पद्मश्री प्रेमचंद ढींगरा समेत फेडरेशन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने रविवार का दिन इंदौर के नाम किया। इस दिन सीएम डॉक्टर मोहन यादव विभिन्न कार्यक्रमों के साथ ही बास्केटबॉल कॉम्प्लेक्स में चल रही 17वीं राष्ट्रीय महिला पुरुष बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप-2026 में पहुंचे और श्रेष्ठ बॉडी बिल्डर्स का प्रदर्शन देख, 5 लाख रुपये देने की घोषणा की।

इस मौके पर चैंपियनशिप को कंडक्ट कर रहे डॉक्टर निशांत खरे ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा - इंदौर के लिए ये गौरव का पल है 27 प्रदेशों से करीब 423 प्रतिभागियों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया है करीब 70 से 80 प्रतिभागी ऐसे भी है इंटरनेशनल लेवल पर भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके है युवाओं को बुराइयों से दूर ले जा कर सकारात्मक से जोड़ने के लिए खेल एक सशक्त माध्यम है,इनामी राशी की बात करते हुए उन्होंने कहा मुख्यमंत्री जी द्वारा पांच लाख रूपए की घोषणा की गई साथ ही करीब साठ लाख रूपए की इनामी राशी भी इस आयोजन पर खर्च की जा रही है । इस मौके पर फेडरेशन की ओर से सीएम डॉ. मोहन यादव को स्मृति चिन्ह, अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने भी फेडरेशन के पदाधिकारियों के साथ अन्य विशिष्ठजनों का सम्मान किया गया। इस मौके पर पद्मश्री प्रेमचंद ढींगरा और मधुकर तकवाकर समेत फेडरेशन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

'मटका किंग' की रिलीज डेट का ऐलान

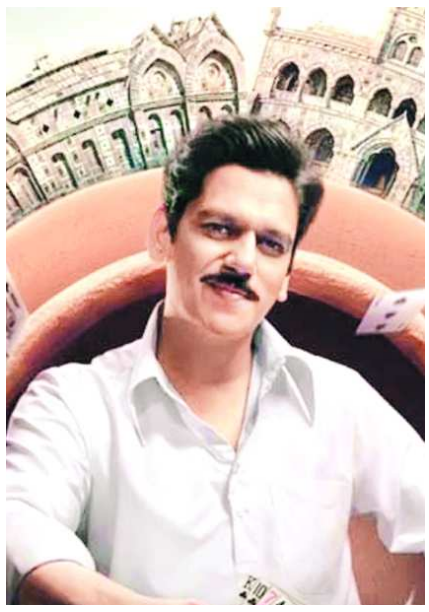

मुंबई (एजेंसी) ● प्राइम वीडियो ने आने वाली ओरिजिनल ड्रामा सीरीज 'मटका किंग' की वर्ल्डवाइड प्रीमियर डेट 17 अप्रैल अनाउंस कर दी है। भय कोरन्ने की लिखी और नागराज पोपटराव मंजुले की बनाई और निर्देशित की गई यह सीरीज 1960 के दशक के बदलते बॉम्बे पर आधारित है। यह कहानी एक कॉटन ट्रेडर के इर्द-गिर्द घूमती है जो 'मटका' नाम का एक नया जुआ सिस्टम शुरू करता है और अमीरों के इस शौक को पूरे देश में फैला देता है। इसे सिद्धार्थ रॉय कपूर, नागराज पोपटराव मंजुले, गार्गी कुलकर्णी, अश्विनी सिदवानी और आशीष आर्यन ने 'रॉय कपूर फिल्म्स', 'आटपाट' और 'एसएमआर प्रोडक्शंस' के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। 'मटका किंग' में विजय वर्मा, कृतिका कामरा, सई ताम्हणकर, सिद्धार्थ जाधव, भूपेंद्र जादावत और गुलशन ग्रोवर लीड रोल्स में हैं। इनके साथ ही विनीत कुमार सिंह, भरत जाधव, गिरीश कुलकर्णी, जेमी लीवर, किशोर कदम, साइरस साहूकार, अर्पिता सेठिया, संभाजी तांगड़े, इशितयाक खान, संजीव जोटांगिया और सिमरन अश्विनी भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। यह सीरीज 17 अप्रैल को भारत और दुनिया के 240 से ज्यादा देशों में सिर्फ प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी।

फिल्म 'सुंदर पूनम' की शूटिंग शुरू, रोमांस और सस्पेंस से भरी कहानी को लेकर बढ़ा उत्साह

मुंबई (एजेंसी) ● सान्या मल्होत्रा की आगामी रोमांटिक थ्रिलर फिल्म 'सुंदर पूनम' को लेकर चर्चा तेज हो गई है। फिल्म की शूटिंग आधिकारिक तौर पर शुरू हो चुकी है, जिससे फैंस के बीच उत्साह और बढ़ गया है। सान्या मल्होत्रा ने इस खास मौके को अपने सोशल मीडिया के जरिए साझा किया। उन्होंने शूटिंग शुरू होने से पहले पारंपरिक मुहूर्त पूजा की और उसकी झलक इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। तस्वीरों में फिल्म का क्लैपबोर्ड नजर आता है, वहीं कुछ कैंडिड फोटोज में वह अपने सह-कलाकारों के साथ दिखाई दे रही हैं। एक वीडियो में सान्या पूजा के दौरान आरती करती नजर आती हैं। इस पोस्ट के साथ उन्होंने लिखा कि 'सुंदर पूनम' की शूटिंग आधिकारिक तौर पर शुरू हो चुकी है। फिल्म का निर्देशन पुलकित कर रहे हैं, जबकि इसमें सान्या के साथ आदित्य रावल मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म प्राइम वीडियो के 2026 के प्रोजेक्ट्स में शामिल है, जिससे इसकी पहुंच वैश्विक दर्शकों तक होने की उम्मीद है। हाल ही में मेकर्स ने फिल्म का फर्स्ट लुक भी जारी किया था, जिसमें सान्या मल्होत्रा दुल्हन के रूप में नजर आईं। वीडियो में उनका किरदार पूनम एक रहस्यमयी स्थिति में दिखाई देता है, जहां उसका फोन लगातार बजता रहता है और 'सुंदर' व 'राजू' नाम से कॉल आते हैं। अंत में एक खबर सुनाई देती है कि कश्मीर में एक शादीशुदा जोड़ा लापता हो गया है, जो कहानी में सस्पेंस को और गहरा बना देता है।

आर्यना सबालेंका ने हराईं कोको गॉफ, सनशाइन डबल पूरा करने वाली पहली खिलाड़ी बनी

फ्लोरिडा (एजेंसी) ● आर्यना सबालेंका ने वर्ल्ड नंबर 4 कोको गॉफ़ पर 6-2, 4-6, 6-3 से ज़बरदस्त जीत हासिल कर 2022 में इगा स्वियाटेक के बाद तक सनशाइन डबल पूरा करने वाली पहली खिलाड़ी बन गईं। वह यह कामयाबी हासिल करने वाली पांचवीं महिला हैं, उनसे पहले स्टेफ़ी ग्राफ, किम क्लिस्टर्स, विक्टोरिया अज़ारेंका और स्वियाटेक यह कारनामा कर चुकी हैं। सबालेंका ने मैच के बाद कहा, यह बहुत मायने रखता है। मेरा लक्ष्य हमेशा से इतिहास में अपना नाम दर्ज कराना रहा है, और मैंने बस वही किया। यह सुनने में बहुत अजीब लगता है। मुझे नहीं पता कि मैं यह कैसे कर पाई, लेकिन मुझे अभी बहुत गर्व है। बेशक, बेशक, इस खूबसूरत ट्रॉफी से बहुत खुश हूं।

आईपीएल से हटने वालों के खिलाफ कड़े कदम उठाने की जरूरत : गावस्कर

मुंबई (एजेंसी) ● पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है आईपीएल से हटने वाले खिलाड़ियों के खिलाफ केवल दो साल का प्रतिबंध ही काफी नहीं है। हससे भी अधिक सख्त कदम उठाने चाहिये जिससे कि कोई भी भविष्य में इस प्रकार से धोखा न करे। गावस्कर ने कहा कि जिस प्रकार से कई खिलाड़ी बहानेबाजी करते हैं उसे रोकने के लिए आईपीएल आयोजकों का कठोर नियम बनाने चाहिये। आईपीएल शुरु होने के ठीक पहले कुछ विदेशी खिलाड़ियों के अचानक वापस नाम लेने से टीमों की रणनीति बिखर गयी है। नाम वापस लेने वालों में इंग्लैंड के बेन डकेट और हैरी ब्रूक भी शामिल है। बीसीसीआई के नियमों के अनुसार अगर कोई खिलाड़ी नीलामी में बिकने के बाद टूर्नामेंट से नाम वापस लेता है तो उस पर 2 साल का प्रतिबंध लगता है पर गावस्कर का मानना है कि इससे अधिक अधिक कठोर कदमों की जरुरत है। गावस्कर ने कहा, 'यह एक कठिन मामला है। डकेट की एशेज सीरीज बहुत अच्छी रही थी, और अगर उन्हें 'द हंड्रेड' की नीलामी में उतनी बड़ी रकम में नहीं खरीदा गया होता, तो वह आईपीएल खेल रहे होते। 'द हंड्रेड' में अच्छी कीमत पर खरीदे जाने के बाद, वह आईपीएल को छोड़ने और यह कहने में काफी खुश थे कि वह अपने टेस्ट करियर पर ध्यान देना चाहते हैं।

उज्जैन संभाग

'मेरा लहंगा बड़ा है महंगा' गाने पर अश्लील डांस

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● जिले में स्थित ब्रह्माणी माता मंदिर परिसर में डांस कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें डांसरों ने अश्लील गानों पर डांस किया। कालीसिंध महोत्सव मेले के आयोजकों ने बाहर से डांसरों को बुलाया था। मामला तराना जनपद पंचायत के सामानेरा गांव का है। जानकारी के मुताबिक, ब्रह्माणी माता मंदिर परिसर के पीछे बने मंच पर 19 मार्च से 28 मार्च तक कथा का आयोजन चल रहा था। आयोजन के अंतिम दिन डांस कार्यक्रम रखा गया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीणों और स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। मेले के दौरान मंच पर फिल्मी गाने पर डांस प्रस्तुति दी गई, जिसमें 'हिला दूं एमपी, हिला दूं यूपी, जो मारूं मैं ठुमका, ये मेरा लहंगा बड़ा है महंगा... मेरी पतली कमर, मेरी तिरछी नजर... छम्मा-छम्मा' जैसे बोलों पर डांसर ने परफॉर्म किया। डांसर डर्टी इशारे भी करती दिखी।

डांस कार्यक्रम के दौरान कुछ युवकों ने हुड़दंग शुरू कर दिया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी का

माहौल बन गया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मौके पर मौजूद पुलिस बल ने पहले लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन भीड़ के काबू में नहीं आने पर हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पुलिस कार्रवाई के दौरान कुछ लोगों को डंडों से पीटा गया, जिसके बाद भीड़ तितर-बितर हो गई और स्थिति पर नियंत्रण पा लिया गया। घटना के बाद क्षेत्र में कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति बनी रही, हालांकि बाद में हालात सामान्य हो गए। माकड़ौन थाना प्रभारी पीएस राजपूत ने बताया कि मेले के दौरान कुछ लोग अशांति फैलाने की कोशिश कर रहे थे। स्थिति बिगड़ती देख मौके पर मौजूद उपनिरीक्षक मंशाराम चौधरी और उनकी टीम ने हल्का बल प्रयोग किया, जिसके बाद मामला शांत हो गया। उन्होंने यह भी बताया कि इस मामले में किसी के खिलाफ कोई औपचारिक कार्रवाई नहीं की गई है।

मेले की व्यवस्था की जिम्मेदारी सहायक विकास विस्तार अधिकारी राजेश कदवाने, मेला अधिकारी आशीष तिवारी सहित अन्य अधिकारियों के पास थी। फिलहाल वीडियो वायरल होने के बाद आयोजन और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि प्रशासन की ओर से अश्लील डांस मामले में प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। तराना क्षेत्र में कालीसिंध महोत्सव का आयोजन मुख्य रूप से धार्मिक आस्था, परंपरा और स्थानीय संस्कृति से जुड़ा हुआ है। यहां स्थित ब्रह्माणी माता मंदिर का क्षेत्रीय लोगों के बीच विशेष महत्व है। नवरात्रि के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं। माता ब्रह्माणी को इस इलाके की रक्षक देवी माना जाता है। हर साल मेला और महोत्सव आयोजित किया जाता है। यह क्षेत्र कालीसिंध नदी के किनारे स्थित है, जो स्थानीय जीवन और संस्कृति का अहम हिस्सा मानी जाती है। 'कालीसिंध महोत्सव' का नाम भी इसी नदी से जुड़ा हुआ है, जो इस आयोजन को एक भौगोलिक और सांस्कृतिक पहचान देता है। कालीसिंध महोत्सव केवल धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह एक पारंपरिक ग्रामीण मेला भी है, जो वर्षों से लगता आ रहा है। इस दौरान कथा-भागवत, भजन-कीर्तन, झूले, छोटे-बड़े बाजार और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इससे यह आयोजन स्थानीय लोगों के लिए सामाजिक मेल-मिलाप का एक महत्वपूर्ण अवसर बन जाता है।

सीएम हेल्पलाइन डेटा वाला सीपीयू ले गए राज्यपाल के पोते, सिविल अस्पताल के सीसीटीवी में रिकॉर्ड हुई घटना

दैनिक इंदौर संकेत

नागदा ●सिविल अस्पताल से दिनदहाड़े सीएम हेल्पलाइन के डेटा वाला सीपीयू ले जाने का मामला सामने आया है। सीसीटीवी में कर्नाटक राज्यपाल डॉ. थावरचंद गहलोत के पोते मनीष गहलोत दिख रहे हैं। हालांकि, बाद में सीपीयू वापस अस्पताल में रख दिया गया। वहीं मामले में अस्पताल प्रशासन ने चुप्पी साध ली है। बीएमओ का कहना है कि वे छुट्टी पर थे। नागदा उज्जैन जिले में आता है। वहीं पुलिस का कहना है कि अब तक उन्हें ऐसी कोई शिकायत नहीं मिली है। नागदा के सिविल अस्पताल की पहली मंजिल के कॉरिडोर में एक व्यक्ति कमरा नंबर 23 (कम्प्यूटर कक्ष) से सीपीयू उठाकर बाहर निकलते हुए दिखाई देता है। उसके साथ मनीष गहलोत भी निकलते दिख रहे हैं। इसके बाद सीपीयू को वापस अस्पताल में दे दिया गया। इस बारे में मनीष गहलोत से बात की गई तो उन्होंने बताया कि वे स्वयं एक अस्पताल चलाते हैं और उसी के काम से अस्पताल गए थे। मनीष ने स्वीकारा कि सीपीयू ले जाने वाला व्यक्ति उनके ही अस्पताल में काम करता है। मनीष ने कहा- मैं वहां डॉक्टर्स और अस्पताल के स्टाफ से बात कर रहा था। इसी बीच सीपीयू को लेकर बात बिगड़ने लगी। बाद में सीपीयू लौटा दिया गया।

बैरिकेड लगा स्कूल परिसर को बनाया बाड़ा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●शासकीय कन्या नूतन मावि देसाईनगर के भवन में संचालित हो रहे सांदीपनि जाल सेवा निकेतन स्कूल परिसर पर कुछ लोगों ने ऐसा कब्जा जमाया कि विभाग भी बेबस हो गया। 136 बच्चे व 4 शिक्षकों वाले इस प्रावि स्कूल के परिसर में कुछ लोगों ने पुलिस बैरिकेड बांधकर अपने हिसाब से दीवार बना ली। दुधारू गायों को यहां रखते हुए हरा चारा खिला रहे हैं। दूध बेचकर मुनाफा भी कमाने में लगे हैं। दूसरी तरफ सब कुछ जानने के बावजूद विभाग स्कूल परिसर में बने अवैध बाड़ा (मवेशी रोकने की जगह) को नहीं हटा सके। ऐसा ही रहा तो 1 अप्रैल से शुरू हो रहे नए शिक्षा सत्र में भी बच्चों को ऐसे गोबर की बदबू के बीच बैठकर पढ़ाई करना पड़ेगी।

कनाडा में मृत गुरकीरत का पार्थिव शरीर 2 अप्रैल को भारत पहुंचेगा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● कनाडा में मृत उज्जैन निवासी 23 वर्षीय गुरकीरत सिंह मनोचा का पार्थिव शरीर 2 अप्रैल को भारत पहुंचेगा। पार्थिव शरीर 1 अप्रैल को वैंकूवर से रवाना होकर अहमदाबाद लाया जाएगा, जहां औपचारिकताएं पूरी होने के बाद उसे उज्जैन ले जाया जाएगा। परिजनों के मुताबिक गुरकीरत के शव को लाने का सारा खर्च इंश्योरेंस कंपनी उठाएगी। गुरकीरत के पिता गुरजीत सिंह ने बताया कि हमारे पास जो मैसेज आए हैं उससे हमें पता चला कि डेड बॉडी को 1 अप्रैल को वेंकूवर से दिल्ली और अहमदाबाद लॉजिस्टिक एयरपोर्ट लाया जाएगा और क्लीयरेंस के बाद शव मिलेगा। उसके बाद उज्जैन लाकर अंतिम संस्कार करेंगे। थोड़ी देर बच्चे का मुंह देख कर अरदास करके फिर अंतिम संस्कार के लिए चक्रतीर्थ पर ले जाएंगे। बच्चे का खुद का इंश्योरेंस होने की वजह से हमने इंश्योरेंस को परमिट किया है कि वहां से डेड बॉडी को हैंडओवर कीजिए। गुरकीरत का इंश्योरेंस था, जिसके सहारे गुरकीरत की बॉडी को भारत लाया जा रहा है। सारा खर्च पॉलिसी से ही हो रहा है। मुझे इस बारे में ज्यादा जानकारी तो नहीं है, लेकिन वहां से मैसेज आया था कि हमें परमिट दीजिए, हम सारी चीज मैनेज कर देंगे। मामले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के हस्तक्षेप के बाद प्रक्रिया तेज हुई। कलेक्टर रोशन कुमार सिंह और एसपी प्रदीप शर्मा ने आवश्यक कार्रवाई पूरी करवाई। विदेश मंत्रालय, भारतीय

उच्चायोग ओटावा और वैंकूवर स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने पार्थिव शरीर को भारत लाने में समन्वय किया। परिवार के मित्र अभिलाष जैन ने मीडिया, शासन और प्रशासन के बीच समन्वय में भूमिका निभाई। परिजनों ने सभी संस्थाओं का आभार जताया। गुरकीरत सिंह मनोचा की 14 मार्च 2026 को कनाडा के फोर्ट सेंट जॉन में कुछ लोगों ने हत्या कर दी थी। घटना के बाद से ही परिजन शव को उज्जैन लाने के लिए प्रयासरत थे। 15 मार्च को मामला मीडिया में आने के बाद 16 मार्च को जिला कलेक्टर रोशन सिंह और पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने परिजनों से मुलाकात कर स्थिति का जायजा लिया और पूरी जानकारी शासन तक पहुंचाई।

उज्जैन-जावरा रोड भूमि अधिग्रहण में मुआवजे पर असमंजस:किसान एमपीआरडीसी कार्यालय पहुंच

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● उज्जैन-जावरा रोड निर्माण के लिए भूमि अर्जन प्रक्रिया जारी है, लेकिन मुआवजे को लेकर किसानों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। इसी के चलते रविवार को किसान एमपीआरडीसी कार्यालय पहुंचे और वहां अपनी नाराजगी जाहिर की। प्रशासन का कहना है कि प्रक्रिया जारी है, जबकि किसान उचित और स्पष्ट मुआवजे की मांग कर रहे हैं।

भूमि अर्जन को लेकर प्रशासनिक प्रक्रिया फिलहाल जारी है, लेकिन मुआवजे को लेकर स्पष्ट जानकारी न मिलने से करीब 100 किसान उज्जैन-जावरा रोड क्षेत्र से एकत्र होकर एमपीआरडीसी कार्यालय पहुंचे। रविवार होने के बावजूद किसानों को आशंका थी कि यहां संबंधित कार्य जारी है और जो अवार्ड पारित होना है, उसकी जानकारी उन्हें नहीं दी जा रही है। किसानों ने अधिकारियों से बातचीत की, लेकिन कुछ अधिकारियों से संतोषजनक जवाब नहीं मिलने के कारण वे नाराज नजर आए। हालांकि, बाद में अन्य अधिकारियों ने उन्हें समझाइश दी और उनकी समस्याएं सुनीं। इस मामले में घटिया एसडीएम राजाराम करजरे ने स्पष्ट किया कि फिलहाल अवार्ड जारी नहीं हुआ है और पूरी प्रक्रिया एक ही दिन में पूरी नहीं की जा सकती। उन्होंने बताया कि भूमि अर्जन अधिनियम के तहत मुआवजे की गणना की जा रही है, जो किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए तय की जाएगी। किसान प्रतिनिधि दिनेश पटेल ने बताया कि उज्जैन-जावरा रोड से प्रभावित गांवों के किसान एकत्र होकर एमपीआरडीसी कार्यालय पहुंचे थे। किसानों का आरोप है कि उन्हें मुआवजे को लेकर स्पष्ट जानकारी नहीं दी जा रही है। साथ ही, कई क्षेत्रों में पुराने गाइडलाइन के आधार पर अवार्ड तैयार किए जाने की आशंका भी जताई जा रही है, जिससे वे संतुष्ट नहीं हैं।

सरकारी स्कूलों में पढ़ाएंगे कलेक्टर समेत 162 अधिकारी, नए शैक्षणिक सत्र में होगा बहुत कुछ खास

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● इंदौर जिले में 1 अप्रैल से नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत होने जा रही है। शिक्षा विभाग ने इस बार सत्र के पहले दिन को उत्सव के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। स्कूल पहुंचने वाले विद्यार्थियों का स्वागत तिलक लगाकर और वंदन के साथ किया जाएगा। इस दौरान स्कूलों में विशेष बाल सभाओं का आयोजन होगा, जिससे बच्चों में शिक्षा के प्रति उत्साह जगाया जा सके। सत्र के प्रारंभ में ही विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकों का वितरण भी सुनिश्चित किया गया है ताकि उनकी पढ़ाई में कोई बाधा न आए। स्कूल चले हम अभियान के अंतर्गत इंदौर जिले में एक विशेष कार्यक्रम 4 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। इस दिन जिले के 162 प्रशासनिक अधिकारी विभिन्न सरकारी स्कूलों में पहुंचेंगे और वहां विद्यार्थियों की क्लास लेंगे। इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा स्वयं प्रताप नगर स्थित आश्रम क्रमांक 2 में जाकर बच्चों को पढ़ाएंगे और उनके साथ संवाद करेंगे। इस पहल का मुख्य उद्देश्य सरकारी स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था में सुधार लाना और छात्रों का मनोबल बढ़ाना है। सत्र के पहले दिन विद्यार्थियों के लिए स्कूलों में विशेष मध्यान्ह भोज की व्यवस्था की गई है। जिला शिक्षा अधिकारी और डीपीसी द्वारा इस संबंध में लगातार समीक्षा बैठकें की जा रही हैं। विभाग का लक्ष्य नर्सरी से लेकर 12वीं तक के सरकारी स्कूलों को निजी स्कूलों की तर्ज पर आकर्षक बनाना है। इसके साथ ही साल की शुरुआत से ही शैक्षणिक गतिविधियों को पटरी पर लाने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की गई है। सरकारी स्कूलों में छात्र संख्या बढ़ाने के लिए शिक्षकों को विशेष दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

प्रदेश विद्युत विनियामक आयोग ने टैरिफ आदेश में दी मंजूरी

स्मार्ट मीटर के नाम पर 513 करोड़ का बोझ, उपभोक्ताओं से वसूल होगा चार्ज

लगाए जाने हैं 1,41,44,119 स्मार्ट मीटर, पहले चरण में 58,65,372, दूसरे में 82,78,747 लगेंगे

समय पर काम पूरा नहीं कर पा रही थी कंपनियां, आयोग ने 31 मार्च 2028 तक बढ़ाई समय सीमा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्यप्रदेश में स्मार्ट मीटर परियोजना के तहत उपभोक्ताओं पर बड़ा वित्तीय बोझ डालने की तैयारी सामने आई है। मप्र विद्युत विनियामक आयोग के हालिया टैरिफ आदेश में खुलासा हुआ है कि बिजली वितरण कंपनियां वित्तीय वर्ष 2026-27 में उपभोक्ताओं से कुल 513.62 करोड़ का लीज चार्ज वसूलेंगी। यह राशि सीधे बिल में अलग से नहीं दिखाई देगी, बल्कि बिजली दरों (टैरिफ) में शामिल कर धीरे-धीरे वसूली जाएगी। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में कुल 1,41,44,119 स्मार्ट मीटर लगाए जाने हैं। पहले चरण में 58,65,372 और दूसरे चरण 82,78,747 स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे। स्मार्ट मीटर लगाए जाने के लिए आयोग ने बिजली कंपनियों को 31 मार्च 2028 तक का समय दिया है। प्रदेश में स्मार्ट मीटर टोटेक्स मॉडल पर लगाए जा रहे हैं। इस मॉडल में मीटर लगाने, संचालन और रखरखाव का पूरा खर्च एक निजी एजेंसी उठाती है और बिजली कंपनियां उसे किस्तों के रूप में भुगतान करती हैं। यही लागत अंततः उपभोक्ताओं से वसूली जाती है। आयोग ने इस

मंजूरी को पूरी तरह अंतिम नहीं माना है, बल्कि इसे अस्थायी रूप से स्वीकृत किया है। भविष्य में टू-अप प्रक्रिया के दौरान कंपनियों के वास्तविक खर्च और प्रदर्शन की समीक्षा की जाएगी। यदि कंपनियां तय लक्ष्यों-जैसे समय पर स्मार्ट मीटर लगाना, सही बिलिंग और सेवाएं देना-पूरा नहीं कर पाती हैं, तो इस राशि में कटौती भी की जा सकती है।

आरडीएस योजना के तहत लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर-स्मार्ट मीटर परियोजना को केंद्र सरकार की आरडीएस योजना के तहत लागू किया जा रहा है। इसका उद्देश्य बिजली आपूर्ति को अधिक पारदर्शी विश्वसनीय और कुशल बनाना है। स्मार्ट मीटर से रियल टाइम डेटा मिलने से बिलिंग में गड़बड़ी कम होगी, बिजली चोरी पर अंकुश लगेगा और लाइन लॉस घटाने में मदद मिलेगी। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि तकनीकी सुधार के साथ-साथ इसका आर्थिक असर भी उपभोक्ताओं को झेलना पड़ेगा। चूंकि यह खर्च टैरिफ में जोड़ा जाएगा, इसलिए आने वाले समय में बिजली बिलों में बढ़ोतरी का असर साफ दिखाई दे सकता है।

बिजली कंपनियों के लिए टाइमलाइन तय

आयोग ने प्रदेश की बिजली कंपनियों को पहले चरण में लगाए जाने वाले स्मार्ट मीटर का काम पूरा करने की टाइमलाइन पहले ही तय कर दी है। इसके तहत ईस्ट जोन को जून 2026 और वेस्ट जोन को मार्च 2026 और मध्य क्षेत्र बिजली कंपनी को अप्रैल 2027 तक पहले चरण का काम पूरा करना होगा। इसके बाद बिजली कंपनियों को दूसरे चरण का काम पूरा करना होगा। तीनों बिजली कंपनियों को 31 मार्च 2028 तक प्रदेशभर में स्मार्ट मीटर लगाने होंगे।

आबकारी ने भरा सरकार का खजाना 2000 करोड़ देने वाला बना पहला जिला

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर आबकारी विभाग की 173 शराब दुकानों में से 156 बिक गई है। जिले का कुल राजस्व लक्ष्य 2100 करोड़ है, जिसमें से 2001.91 करोड़ मिल चुके हैं। अब केवल 18 दुकानें बाकी हैं। बची इन दुकानों से अभी न्यूनतम 258 करोड़ रुपए और आना है। यानी लक्ष्य पार हो जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा ने आबकारी विभाग से नए सिरे से शराब दुकानों की ग्रुपिंग कराई गई थी। इसमें महंगी और सस्ती दुकानों को मिलाकर ग्रुप बनाए गए। इससे यह ग्रुप अधिक कीमत पर उठ गए।

आबकारी विभाग द्वारा जो 156 दुकानें बेची गई हैं, इसके लिए बेस प्राइज 1844.11 करोड़ था, जबकि इस 157.80 करोड़ अधिक में यह दुकानें बिकी। जो कि लगभग 8.56% वृद्धि है। वहीं बीते साल वर्ष 2025-26 में यह दुकान 1536.76 करोड़ में गई गई थी। यानी बीते साल की तुलना में विभाग को 465.15 करोड़ (लगभग 30.27%) अधिक मिले हैं।

सहायक आयुक्त आबकारी अभिषेक तिवारी ने बताया कि सीएम की मंशानुसार 20 फीसदी से अधिक का राजस्व लक्ष्य तय था। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में ग्रुपिंग हुई और पूरे प्रदेश में सर्वाधिक राजस्व प्राप्त किया गया।

स्कीम नं. 54 समूह : 134.95 करोड़ के विरुद्ध 153.33 करोड़ मिले। एमआईजी समूह: 98.03 करोड़ के विरुद्ध 111.11 करोड़। एमआर-9 समूह: 130.09 करोड़ के विरुद्ध 150.20 करोड़। चंद्रगुप्त चौराहा (एमआर.-10): 99.38 करोड़ के विरुद्ध 113.57 करोड़। मांगलिया समूह: 41.94 करोड़ के विरुद्ध 52.83 करोड़ प्राप्त हुए। विभागीय विश्लेषण के अनुसार, ई-टेंडर प्रक्रिया के दौरान अन्य कई समूहों में 30% से अधिक वृद्धि दर्ज की गई है। यह मोनोपाली खत्म करने और नए ग्रुपिंग से हुई प्रतिस्पर्धा के कारण हुआ है।

अब ईवी खरीदी पर राहत खत्म देना पड़ेगा चार प्रतिशत टैक्स प्रदेश में महंगे होंगे ई-व्हीकल

सरकार ने नहीं बढ़ाई मोहलत, ईवी पॉलिसी के तहत एक साल के लिए मिली 100 फीसदी टैक्स छूट की अवधि 26 मार्च को खत्म

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहन यानी ईवी खरीदने वालों को मिलने वाली बड़ी राहत अब खत्म हो गई है। दरअसल, सरकार द्वारा ईवी पॉलिसी के तहत पिछले साल 27 मार्च 2025 से एक साल के लिए ईवी वाहनों पर मिलने वाली 4 प्रतिशत मोटर व्हीकल टैक्स की छूट की मोहलत प्रदेश सरकार ने नहीं बढ़ाई है, जिसके चलते अब ईवी खरीदने वालों को पूरा टैक्स भराना होगा, जिससे अब ईवी खरीदना महंगा हो जाएगा। पॉलिसी के तहत इलेक्ट्रिक दो और चार पहिया वाहनों पर मोटर व्हीकल टैक्स और रजिस्ट्रेशन शुल्क में दी जा रही 100 फीसदी छूट सिर्फ 27 मार्च 2026 तक ही

लागू थी, हालांकि उम्मीद की जा रही थी कि शायद सरकार इसे बढ़ा दे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। ऐसे में अब 28 मार्च के बाद ईवी खरीदने वाले उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ सकता है। दरअसल, नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा बनाई गई ईवी पॉलिसी को प्रदेश में 27 मार्च 2025 को लागू किया गया था। इस पॉलिसी को तो पांच साल के लिए लागू किया गया है, लेकिन इसमें दो और चार पहिया वाहनों को मिलने वाली छूट की अवधि केवल एक साल तय की गई थी।

ई-बसों और ट्रकों को अगले साल तक छूट: हालांकि ई-बसों और ई- ट्रकों को यह छूट 27 मार्च 2027 तक मिलती रहेगी, क्योंकि इनकी छूट दो साल के लिए लागू की गई थी। ईवी पॉलिसी में पांच साल में सभी दो पहिया वाहनों का 40 प्रतिशत और चार पहिया का 15 प्रतिशत ईवी के पंजीयन का लक्ष्य तय किया गया था, लेकिन एक साल में ही छूट खत्म होने के बाद यह लक्ष्य प्राप्त होना भी मुश्किल होगा।

रेट्रोफिटिंग पर छूट भी खत्म: ईवी पॉलिसी में रेट्रोफिटिंग यानी 15 साल पुराने पेट्रोल-डीजल वाहन को ईवी में बदलवाने पर भी एक साल तक ही छूट की गई है, इसलिए यह भी खत्म हो जाएगी। रेट्रोफिटिंग के लिए दो पहिया को 5 हजार प्रति वाहन, तीन पहिया को 10 हजार और कार को 25 हजार प्रोत्साहन राशि का प्रावधान था।

अब 10 लाख की गाड़ी पर लगेगा, 40 हजार टैक्स : प्रदेश सरकार की तरफ से ईवी पर मिल रही 100 प्रतिशत छूट का फायदा लगातार ईवी चालकों को मिल रहा था, जिसके चलते पिछले एक साल में ईवी वाहनों की संख्या में खासी बढ़ोतरी भी हुई, लेकिन अब नए ईवी वाहन खरीदने वालों को 4 प्रतिशत टैक्स चुकाना होगा, यानी एक लाख के ई-स्कूटर पर 4 हजार और 10 लाख के वाहन पर करीब 40 हजार रुपए टैक्स जमा करना होगा। ऐसे में सबसे ज्यादा असर ई-रिक्शा, बाइक, मोपेड और ई- कारों की खरीदी पर पड़ेगा।

इंदौर में फिर जमीनी विवाद सामने आया 40 से अधिक मकान बन गए

- शिकायतकर्ताओं ने बीजेपी नेता एवं कॉलोनी नाइजर पर लगाए गंभीर आरोप
- छोटा बांगड़दा स्थित नंदबाग कॉलोनी से जुड़ा हुआ है मामला

- आरोप लगाया गया कि बीजेपी नेता यशराज मेहता ने नोटरी की है
- 35 हजार स्क्वायर फीट की जमीन पर कब्जा किया गया
- कब्जा कर लोगों को अवैध रूप से प्लांट आबंटित किए

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में बीजेपी नेताओं के नित नये कारनामे रोजाना सामने आ रही है इसी कड़ी में खुद को बीजेपी का वरिष्ठ नेता बताते हुए करोड़ों रुपए की जमीन पर कब्जा कर उसे बेच दिया गया, फिलहाल कई पीड़ितों ने पुलिस और जिला प्रशासन को भी शिकायत की लेकिन कई सालों से पीड़िता पुलिस और प्रशासन को शिकायत कर थक गए लेकिन बीजेपी नेता पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है और अब पीड़ित जल्द ही पूरे मामले की शिकायत इंदौर कलेक्टर कमिश्नर के साथ ही मुख्यमंत्री को भी करने की बात कर रहे हैं। जिसके कारण अब 40 से ज्यादा प्लांट और मकान धारकारको की चिंता बढ़ दी साथ 35 हजार स्क्वायर फीट की जमीन का विवाद न्यायालय में विचाराधीन है।

पूरा मामला नंदबाग क्षेत्र का है जहां बीजेपी नेता जसराज मेहता कॉलोनाइजर पर आरोप शिकायतकर्ता के द्वारा आरोप लगाए गए है उनके द्वारा बताया गया कि 8 एकड़ जमीन क्रय की गई थी जिस पर रजिस्टर्ड कॉलोनी विकसित की गई थी लेकिन बीजेपी नेता एवं कॉलोनाइजर जसराज मेहता द्वारा लगभग 35000 स्क्वायर फीट जमीन पर कब्जा कर प्लाट काट कर बेच भी दिए जिनकी नोटरी भी फर्जी तरीके से करवाई गई है जहां 40 से अधिक मकान भी बन चुके हैं फरियादी द्वारा इसकी शिकायत अनुविभागीय अधिकारी को भी कर रखी है और बाणगंगा थाने पर भी इसकी शिकायत दर्ज की जा चुकी है साथ ही एक बोर्ड लगाया गया है जिसमें सभी मालिकों के नाम और नंबर भी लिखे गए हैं और वहां के रहने वाले लोगों से आग्रह किया है कि आप यहां पर मकान ना बनाएं ताकि भविष्य में यदि किसी तरह की समस्या आती है तो उसका सामना करना पड़ सकता है क्योंकि मामला अभी न्यायालय में विचाराधीन है साथ ही कॉलोनी में अभी भी कई नए मकान बन रहे हैं। आरोप लगाया गया है कि बीजेपी नेता एवं कालोनीनाइजर ने फर्जी तरीके से नोटरी बनवाकर लोगों को प्लॉट बेच रहा है वहीं वर्ष 2018 में भी प्लॉट बेचे गए जिसकी नोटरी वर्ष 2008 की बताई गई है हमारे द्वारा जिन लोगों ने क्षेत्र में मकान बनाए गए उन्हें निजी तौर पर हमारी जमीन को लेकर जिनके मकान, प्लॉट है उन्हें नोटिस जारी किया गया है कि जब तक कोर्ट में केस चल रहा है यहां पर किसी तरह का निर्माण न करें जिसे बोर्ड भी आज क्षेत्र में लगा दिया गया है , शिकायतकर्ताओं ने सूचना देते हुए एक बोर्ड भी लगाया है जिसमें खसरा क्रमांक 265/7/8/9/10 है जिस का मालिकाना हक संदीप यादव, आनंद कश्यप, प्रभाकर राय, आनंद जायसवाल, महेंद्र सिंह सोलंकी को बताया गया, वही इस पूरे मामले के सामने आने के बाद जिन लोगों ने उक्त प्लाट खरीदे थे उन्होंने मकान भी बना लिए हैं लेकिन अब उन पर मुसीबत आन पड़ी है क्षेत्रीय रहवासियों का कहना है कि हम पिछले कई वर्षों से यहां पर रह रहे हैं और नगर निगम का टैक्स भी दे रहे हैं बीजेपी नेता एवं कालोनी नाइजर जसराज मेहता द्वारा हमें यह कहकर प्लॉट दिए गए थे की जमीन में किसी तरह का कोई लफड़ा नहीं है लेकिन इतने वर्षों बाद आज यह हमें मालूम पड़ रहा है कि यह जमीन किसी और की है फिलहाल मौके पर काफी विवाद की थी स्थिति बनी रही।

अजाक्स संगठन बना अखाड़ा : नेमप्लेट उखाड़ने से एफआईआर तक बवाल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश के अजाक्स संगठन में नेतृत्व को लेकर घमासान अब खुली जंग में बदल चुका है। एक तरफ खुद को वैधानिक अध्यक्ष बताने वाले मुकेश मौर्य हैं, तो दूसरी ओर IAS संतोष वर्मा अपने नेतृत्व का दावा कर रहे हैं। विवाद इतना बढ़ गया कि दफ्तर में नेमप्लेट उखाड़ी गई, पुलिस पहुंची और मामला FIR तक जा पहुंचा। इसी बीच IAS संतोष वर्मा ने चेतावनी दी है कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति के कर्मचारियों का आक्रोश बढ़ रहा है, इसका खामियाजा सरकार को भुगतना पड़ेगा। 'अजाक्स में लंबे समय से यह विवाद चल रहा है कि असली प्रदेश अध्यक्ष कौन है। 20 मार्च को यह विवाद चरम पर पहुंच गया, जब दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। दफ्तर में कब्जे और नेमप्लेट बदलने की घटना ने पूरे मामले को और भड़का दिया।

अबतक का घटनाक्रम

20 मार्च को मुकेश मौर्य अपने समर्थकों के साथ अजाक्स कार्यालय पहुंचे। कार्यालय में लगी जेएन कंसोटिया, संतोष वर्मा और एस एल सूर्यवंशी की नेमप्लेट हटाकर अपनी प्लेट लगा दी। दूसरे पक्ष ने भी पलटवार करते हुए मौर्य की नेमप्लेट हटा दी। मौके पर पुलिस मौजूद रही, फिर भी विवाद नहीं थमा। मुकेश मौर्य की शिकायत पर एक महिला पर FIR दर्ज हुई। अन्य 8 लोगों को बाउंडओवर किया गया। वर्मा का आरोप है कि हमारे शिकायती आवेदन पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। विवाद के बाद दोनों गुट अलग-अलग जगहों पर बैठकर खुद को अध्यक्ष बता रहे हैं।

मुकेश मौर्य के आरोप

● मुकेश मौर्य का दावा है कि वे वैधानिक अध्यक्ष हैं और उनके पास रजिस्ट्रार की मान्यता प्राप्त सूची है। उनका कहना है ● 'संतोष वर्मा के पास कोई लीगल दस्तावेज नहीं है ' ● 'हम वैधानिक प्रक्रिया से अध्यक्ष बने हैं, इसलिए कार्यालय पर हमारा अधिकार है ' ● 'हमें साजिशन थाने बुलाकर हमारी नेमप्लेट तोड़ी गई ' ● 'कार्यालय में असामाजिक तत्वों को बुलाया जा रहा है' मौर्य ने यह भी कहा कि वे अंबेडकर जयंती की तैयारी को लेकर बैठक कर रहे थे, उसी दौरान विवाद भड़काया गया।

मध्यप्रदेश में विधायकों के वेतन-भत्ते बढ़ाने पर ब्रेक

मोहन यादव सरकार ने फैसला टाला

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्य प्रदेश में विधायकों के वेतन-भत्ते बढ़ाने की लंबे समय से चल रही मांग को फिलहाल झटका लगा है। राज्य की मोहन यादव सरकार ने मौजूदा वित्तीय परिस्थितियों को देखते हुए इस निर्णय को टालने का फैसला किया है। सूत्रों के अनुसार सरकार का मानना है कि वर्तमान में राज्य के कोष पर पहले से ही काफी दबाव है। प्रदेश सरकार 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मना रही है और किसानों के लिए कई योजनाओं पर खर्च किया जा रहा है। ऐसे में फिलहाल विधायकों के वेतन-भत्ते और निर्वाचन क्षेत्र विकास निधि बढ़ाने का निर्णय नहीं लिया जाएगा।

10 साल से नहीं बढ़े विधायकों के वेतन-भत्ते-मध्य प्रदेश में पिछले लगभग 10 वर्षों से मुख्यमंत्री, मंत्री, विधायक और अन्य जनप्रतिनिधियों के वेतन-भत्ते में कोई वृद्धि नहीं हुई है। इस दौरान महंगाई और खर्च बढ़ने का हवाला देते हुए सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस दोनों के विधायक वेतन वृद्धि की मांग कर रहे थे। इसी मांग को देखते हुए राज्य सरकार ने इस विषय पर अध्ययन करने के लिए एक समिति बनाई थी।

समिति का गठन-मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस मामले पर विचार करने के लिए उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा की अध्यक्षता में एक समिति गठित की थी। इस समिति में शामिल थे: भाजपा विधायक अजय विश्नोई, कांग्रेस विधायक सचिन यादव। समिति को अन्य राज्यों में जनप्रतिनिधियों को मिलने वाले वेतन-भत्तों का अध्ययन कर रिपोर्ट तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई थी।

अन्य राज्यों में अधिक वेतन मिलने का दावा-संसदीय कार्य विभाग की रिपोर्ट में बताया गया कि कुछ राज्यों में विधायकों को मध्य प्रदेश की तुलना में ज्यादा वेतन-भत्ते मिलते हैं। इन राज्यों में विधायकों को अधिक वेतन और सुविधाएं दी जा रही हैं। इसी आधार पर मध्य प्रदेश में भी वेतन वृद्धि का प्रस्ताव तैयार किया गया था। समिति द्वारा तैयार किए गए प्रस्ताव में जनप्रतिनिधियों के वेतन-भत्तों में उल्लेखनीय वृद्धि का सुझाव दिया गया था। सूत्रों के मुताबिक, इस प्रस्ताव को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के बीच चर्चा भी हुई थी। हालांकि इस विषय पर पूर्ण सहमति नहीं बन पाई। यही कारण है कि वेतन-भत्ता संशोधन विधेयक को न तो शीतकालीन सत्र में पेश किया गया और न ही बजट सत्र में।

संभावित वेतन संरचना

पद	वर्तमान वेतन	प्रस्तावित वेतन
विधायक	1.10 लाख	1.70 लाख
पूर्व विधायक पेंशन	35 हजार	58 हजार
मुख्यमंत्री	2 लाख	2.60 लाख
मंत्री	1.70 लाख	2.20 लाख
राज्यमंत्री	1.50 लाख	2 लाख
विधानसभा अध्यक्ष	1.85 लाख	2.20 लाख
उपाध्यक्ष	1.70 लाख	2 लाख
नेता प्रतिपक्ष	1.70 लाख	2.20 लाख

इस वेतन में मूल वेतन, सत्कार भत्ता, निर्वाचन क्षेत्र भत्ता-दैनिक भत्ता शामिल हैं।

निर्वाचन क्षेत्र निधि बढ़ाने का प्रस्ताव भी अटका-केवल वेतन वृद्धि ही नहीं बल्कि विधायकों की स्थानीय क्षेत्र विकास निधि बढ़ाने का प्रस्ताव भी फिलहाल ठंडे बस्ते में चला गया है।

क्या था प्रस्ताव-वर्तमान निधि: 3 करोड़। प्रस्तावित निधि: 5 करोड़। इस प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई लेकिन सरकार के भीतर सहमति नहीं बन पाई।

राज्य की वित्तीय स्थिति बनी बड़ी वजह-सरकार का कहना है कि फिलहाल राज्य की आर्थिक स्थिति को देखते हुए बड़े वित्तीय निर्णय लेना मुश्किल है।

16वें वित्त आयोग का असर-एक और महत्वपूर्ण कारण 16वें वित्त आयोग की सिफारिशें भी हैं। सरकारी सूत्रों के अनुसार 1 अप्रैल 2026 से शुरू होने वाले वित्तीय वर्ष में केंद्र से मिलने वाले करों में राज्य का हिस्सा करीब 7,500 करोड़ रुपये तक कम हो सकता है। ऐसी स्थिति में राज्य सरकार पहले अपनी वित्तीय प्राथमिकताओं को संतुलित करना चाहती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।